हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 63 ● भिलाई, गुरुवार 24 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

नकली दवाओं के रैकेट पर सरकार की बड़ी कार्रवाई

बेंगलुरु। बिदादी में नकली दवाओं के रैकेट का पता चलने के बाद राज्य सरकार की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग की ओर से फाइजर सी-एफ डिपो और आठ अन्य दवा लाइसेंस सस्पेंड कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को नागरिकों से अपील की कि वे केवल लाइसेंस प्राप्त फार्मेसी से ही वैध टैक्स इनवॉइस के साथ दवाएं खरीदें और संदिग्ध पैकेजिंग या लेबल पर क्यूआर कोड स्कैन न होने जैसी बातों की जानकारी ड्रग एनफोर्समेंट अधिकारियों को दें। यह कार्रवाई 18 अगस्त को बेंगलुरु दक्षिण जिले के बिदादी में कुरुबाराकेरानाहल्ली के एक फार्महाउस पर कर्नाटक खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन (एफडीए) के ड्रग एनफोर्समेंट विंग द्वारा की गई छापेमारी के बाद की गई है। इस ऑपरेशन में कथित तौर पर बिना लाइसेंस के दवा की रीपैकेजिंग और रीलेबलिंग का रैकेट पकड़ा गया।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर हाईकोर्ट सख्त, मुख्य सचिव को दिए कड़े निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले मासूम बच्चों के सुरक्षित परिवहन को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने प्रदेश भर के स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों को कई सख्त और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वह जिला स्कूल वाहन सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें आयोजित करवाएं और स्कूल स्तर पर गठित समितियों के कामकाज की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड को भी पक्षकार बनाया है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने गोमती रिवर बैंक रेजिडेंट्स की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

स्कूल में खूनी खेल, क्लासरूम के बाहर महिला टीचर को घसीटकर मारी गोली

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थाना सदर कोतवाली क्षेत्र के एक स्कूल परिसर में घुसकर सिरफिरे प्रेमी ने अपनी प्रेमिका और स्कूल की महिला टीचर निशात फातिमा को क्लासरूम के सामने गोली मार दी। शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई। इसके फौरन बाद आरोपी ने उसी तमंचे से अपनी कनपटी पर गोली मारकर खुदकुशी कर ली। दिनदहाड़े स्कूल के भीतर हुई इस दोहरी मौत की वारदात से पूरे परिसर और इलाके में चीख-पुकार और दहशत का माहौल बन गया। वारदात का एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जो घटना की भयावहता को साफ बयां कर रहा है।

बीजेपी ने प्रदेश प्रभारियों का ऐलान किया

छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रभारी बनाई गई स्मृति ईरानी,सिद्धार्थ सह-प्रभारी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी यानी भाजपा ने देशभर के सभी राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियों के लिए प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारियों की नई नियुक्तियों का एलान किया है। विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है। जबकि राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड की जिम्मेदारी दी गई है। बैजयंत जय पांडा को महाराष्ट्र की कमान दी गई है। बीजेपी ने स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी बनाया है। तरुण चुघ को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है। सतीश पूनिया को जम्मू-कश्मीर और पंजाब की जिम्मेदारी मिली है। अनिल एंटनी को गोवा और नगालैंड का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी विनोद तावड़े को दी गई है. उनके साथ चार नेताओं को सह प्रभारी बनाया गया है। इनमें जगदीश पटेल, मेघा कुलकर्णी, डॉ. प्रदीप वर्मा और अनंत ओझा शामिल हैं। जबकि हरीश द्विवेदी को बिहार के साथ कर्नाटक का दायित्व दिया गया है। महाराष्ट्र में बैजयंत जय पांडा प्रभारी होंगे। जबकि अमित मालवीय, सदानंद शेट तनवाड़े और कमलजीत सहरावत सह प्रभारी बनाए गए हैं। दिल्ली में डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे को प्रभारी बनाया गया है। जबकि जामयांग त्सेरिंग नामग्याल व दर्शनाबेन जरदोश को सह प्रभारी बनाया गया है। दिल्ली के पड़ोसी राज्य पंजाब में बीजेपी ने डॉ. सतीश पूनिया प्रभारी नियुक्त किया है। जबकि वीरेंद्र सचदेवा और डॉ. अलका गुर्जर सह प्रभारी होंगी। पश्चिम बंगाल में सुनील बंसल प्रभारी बनाए गए हैं। वहीं लाल सिंह आर्य, राजेंद्र सिंह व पिंकी कुशवाहा को सह प्रभारी बनाया गया है। असम में मंगल पांडे प्रभारी बनाए गए हैं। जबकि फांगनोन कोन्याक और मनोज टिग्गा सह प्रभारी होंगे। जबकि पिछले दो साल हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर की जिम्मेदारी डॉ. राजदीप रॉय को दी गई है। मेघालय में कनाद पुरकायस्थ प्रभारी और डॉ. नुमल मोमिन सह प्रभारी होंगे। मिजोरम में डॉ. भगवत कराड़ और नगालैंड में अनिल एंटनी को प्रभारी बनाया गया है। 12 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में भाजपा ने कोई सह-प्रभारी नियुक्त नहीं किया है। इसमें अंडमान-निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा नगर हवेली एवं दमन और दीव, लद्दाख और लक्षद्वीप शामिल है। मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, पुडुचेरी, सिक्किम और त्रिपुरा में भी सिर्फ प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, कोई सह-प्रभारी नहीं है।

पत्थलगांव विधायक गोमती साय को गुजरात में सह-प्रभारी की जिम्मेदारी

रायपुर। भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर नियुक्तियां करते हुए छत्तीसगढ़ के दो नेताओं को दूसरे राज्यों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। पार्टी ने छत्तीसगढ़ के पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र से विधायक गोमती साय को गुजरात का सह-प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं, अकलतरा के पूर्व विधायक सौरभ सिंह को झारखंड का सह-प्रभारी बनाया गया है। भाजपा की ओर से जारी नियुक्तियों के अनुसार, गुजरात में तरुण चुघ को प्रभारी बनाया गया है, जबकि गोमती साय और अजय महावर को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं झारखंड में गजेंद्र पटेल को प्रभारी नियुक्त किया गया है। झारखंड के सह-प्रभारियों में छत्तीसगढ़ के पूर्व विधायक सौरभ सिंह और बिहार की निवेदिता सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। गोमती साय छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रमुख महिला नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने संगठनात्मक जिम्मेदारियों के साथ स्थानीय निकाय से लेकर संसद और विधानसभा तक का राजनीतिक सफर तय किया है। वर्तमान में वे पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक हैं।

एसआईआर विवाद पर रखीं तीन मांगें

तीन साल पुरानी वोटर लिस्ट बहाल हो-अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब केजरीवाल और उनके परिवार के चार अन्य सदस्यों को दिल्ली में चल रही स्क्रूक प्रक्रिया के तहत नोटिस जारी किया गया है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, इन मतदाताओं के रिकॉर्ड पिछले स्क्रूक के आंकड़ों से मेल नहीं खाने के कारण उन्हें 'श्रेणी में रखा गया है। केजरीवाल ने हालिया रिपोर्टों के आधार पर स्क्रूक को लेकर कड़ा आरोप लगाते हुए इसे आजाद भारत का 'सबसे बड़ा स्कैंडल' बताया। यह उनका राजनीतिक आरोप है। उन्होंने इस मुद्दे पर 3 प्रमुख मांगें रखीं। केजरीवाल ने मांग की है कि मौजूदा स्क्रूक प्रक्रिया को रद्द किया जाए और तीन साल पुरानी मतदाता सूची को बहाल किया जाए। दूसरी मांग में उन्होंने तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की है। तीसरी मांग के तहत केजरीवाल ने कहा कि जिन राज्यों में चुनाव हो चुके हैं, वहां दोबारा चुनाव कराया जाए। उनके बयान में दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल का उल्लेख किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रियान्वयन की निगरानी तीनों चुनाव आयुक्तों की देखरेख में हो रही थी। रिपोर्ट में दावा किया गया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार आधिकारिक रिकॉर्ड पर आपत्तियां दर्ज कीं।

छात्र खुदकुशी मामले में आईआईटी बॉम्बे ने डायरेक्टर के इस्तीफे की खबरों को बताया झूठा

नई दिल्ली। आईआईटी बॉम्बे ने उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि एक छात्र की आत्महत्या के कारण संस्थान के निदेशक शिरीष बी. केदारे ने इस्तीफा दे दिया है। संस्थान ने इन खबरों को गलत बताया। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी दिखाई दे रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि आईआईटी-बॉम्बे के डायरेक्टर ने इस्तीफा दे दिया है। आईआईटी-बॉम्बे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि आईआईटी-बॉम्बे के डायरेक्टर ने इस्तीफा नहीं दिया है। हम साफ तौर पर कहते हैं कि इससे जुड़ी खबर झूठी है।

पुलिस जांच में जुटी

जम्मूकश्मीर में दो पुलिस कर्मियों की हत्या कर दी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में दो पुलिसकर्मियों की हत्या से हड़कंप मच गया है। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बटोट में दोनों पुलिसकर्मी कार में मृत पाए गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं मामले की जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दरअसल हेड कांस्टेबल फरीद अहमद (नंबर 408/आरबीएन) और सिलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल (एसजीसीटी) मोहम्मद याकूब (नंबर 309/आरबीएन) 22 सितंबर की शाम रामबन जिले के बटोट में में एक कार के अंदर बेहोशी की हालत में मिले थे। लोगों ने दोनों को जिला अस्पताल रामबन पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों जिला पुलिस लाइंस (डीपीएल) रामबन में तैनात थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना का पता रात करीब 8:30 बजे चला।

मंत्रियों की रेटिंग से तय होगा किसकी छुट्टी!

पीएम मोदी की चिंतन बैठक के बाद बदलेगी कैबिनेट.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की दो दिवसीय 'चिंतन बैठक' 23 और 24 सितंबर को दिल्ली के सेवा तीर्थ में हो रही है। इस बैठक में सरकार के कामकाज की समीक्षा, आगे की प्राथमिकताओं और संभावित सुधारों पर मंथन किया जा रहा है। ये बैठक ऐसे समय हो रही है, जब मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का करीब आधा समय पूरा हो चुका है। इस बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारों में कैबिनेट फेरबदल की अटकलें भी तेज हैं। ऐसा माना जा रहा है कि चिंतन बैठक के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाएगा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, दो दिवसीय बैठक में अब तक चल रहे सरकारी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के साथ आगे की रणनीति और सुधारों पर चर्चा हो रही है। विकसित भारत@2047 के लक्ष्य के तहत नीतिगत सुधार, ईज ऑफ लिविंग, अनुपालन का बोझ कम करना और सरकारी सेवाओं की डिलीवरी जैसे मुद्दे चर्चा के केंद्र में हैं। मंत्रियों के अलग-अलग समूहों ने बैठक से पहले तैयारियां की हैं। इनमें शासन व्यवस्था, जनता से संवाद और सरकार के कामकाज को ज्यादा प्रभावी बनाने जैसे विषय शामिल हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, मंत्रियों से अपने-अपने मंत्रालयों के काम और आगे की प्राथमिकताओं पर प्रस्तुति देने को भी कहा गया है।

प्रेमी जोड़े को सुनसान इलाके में घेरा, जान बचाने को भागती रही युवती

जमुई। बिहार के जमुई जिले में प्रेमी जोड़े को घेरकर युवती के साथ खुलेआम बदसलूकी और छेड़छाड़ करने के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सोशल मीडिया पर घटना का खौफनाक वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जमुई पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर 3 आरोपियों को धर दबोचा है। जमुई के जिलाधिकारी नवीन ने तीनों मनचलों की गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। बाकी फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम का वाटशाप हैक!

लोगों को मैसेज कर 50-60 हजार रुपए मांग रहा हैकर....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम का वाटशाप हैक होने का मामला सामने आया है। हैकर ने सांसद के वाटशाप अकाउंट का इस्तेमाल कर उनके संपर्क में मौजूद दर्जनों लोगों को फर्जी मैसेज भेजे। मैसेज में अलग-अलग लोगों से 56 हजार और 60 हजार रुपये की रकम मांगने की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि सांसद के नंबर से लोगों को वाटशाप पर मैसेज भेजकर यूपीआईके जरिए रकम ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। कुछ लोगों को 56 हजार रुपये के यूपीआईभुगतान से संबंधित फर्जी मैसेज भी भेजे गए। सांसद के परिचितों और संपर्कों तक इस तरह के संदेश पहुंचने के बाद मामले को लेकर हड़कंप मच गया। हैकर ने फूलो देवी नेताम के वाटशाप नंबर का इस्तेमाल करते हुए लोगों को झांसे में लेने की कोशिश की। अलग-अलग संपर्कों को मैसेज भेजकर 56 हजार और 60 हजार रुपये की मांगने की बात सामने आई है। इससे आशंका है कि साइबर ठग सांसद की पहचान का इस्तेमाल कर उनके परिचितों से आर्थिक धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा था। मामला सामने आने के बाद सांसद से जुड़े लोगों को सतर्क किया जा रहा है कि उनके नंबर से आने वाले किसी भी पैसे संबंधी मैसेज पर भरोसा न करें और बिना पुष्टि के किसी भी यूपीआईखाते में रकम ट्रांसफर न करें।

एसआईआर पर मतभेद के दावों के बीच चुनाव आयोग की सफाई

ईसीआई ज्ञानेश कुमार बोले-सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और उसकी निष्पक्षता को लेकर देश में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्टों के बाद यह दावा किया जा रहा है कि आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सर्वसम्मत नहीं है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दो अन्य चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए कई महत्वपूर्ण आदेश जारी किए। मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण फॉर्म-6 में बदलाव और डिजिटल वोटर डेटा की सुरक्षा से जुड़े इन दावों ने देश के राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। एक तरफ जहां चुनाव आयोग ने इन आरोपों का खंडन करते हुए सभी फैसले सर्वसम्मति से होने की बात कही है, वहीं पूरे विपक्षी गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्र सरकार के खिलाफमोर्चा खोल दिया है। भारतीय निर्वाचन आयोग में मुख्य रूप से तीन अधिकारी होते हैं, जिनमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी शामिल हैं। नियमानुसार आयोग का कोई भी बड़ा फैसला तीनों अधिकारियों के हस्ताक्षर या फिर कम से कम दो अधिकारियों की सहमति से ही पास होता है। अंदरूनी मतभेद की खबरें सामने आने के बाद आयोग ने स्पष्टीकरण दिया कि किसी भी संस्था में अलग-अलग राय होना स्वाभाविक है, लेकिन अंतिम फैसला हमेशा सबकी सहमति से ही होता है। आयोग से जुड़े सूत्रों का यह भी कहना है कि किसी भी चुनाव आयुक्त ने कोई आधिकारिक आपत्ति या विरोध दर्ज नहीं कराया था, बल्कि उन्होंने सिर्फ अपनी सलाह और टिप्पणियां दी थीं, जिन्हें अंतिम फैसला लेते समय ध्यान में रखा गया था। अंग्रेजी अखबार 'द इंडियन एक्सप्रेस' की एक खोजी रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि पिछले 10 महीनों के दौरान दोनों चुनाव आयुक्तों ने आयोग के कई फैसलों पर अपनी चिंता जाहिर की थी। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों अधिकारियों की शिकायत थी कि कई महत्वपूर्ण फैसले उनकी गैरमौजूदगी या बिना उनकी मंजूरी के लिए गए। जिन मुख्य विषयों पर सवाल उठाए गए, उनमें देश भर में मतदाता सूची सुधार का विशेष अभियान, नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 में किए गए बदलाव, वोटर डेटा की डिजिटल सुरक्षा और मतदाता सूची से नाम हटाने या जोड़ने की कानूनी प्रक्रिया शामिल थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि नए वोटर बनने के लिए भरे जाने वाले फॉर्म-6 में एक नया सवाल जोड़ा गया था, जिसमें आवेदक से उसके या उसके परिवार के पिछले वोटर होने का सबूत मांगा जा रहा था। इस पर चुनाव आयुक्त विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने कड़ा ऐतराज जताया और कहा कि नियमों में बिना औपचारिक संशोधन किए ऐसा बदलाव करना सही नहीं है। इसके अलावा, दोनों अधिकारियों ने डिजिटल वोटर डेटा के सुरक्षा ऑडिट की भी मांग की, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई अनधिकृत व्यक्ति मतदाता सूची में फेरबदल न कर सके।

'आप बचेंगे नहीं, इंसाफ जरूर होगा' चुनाव आयोग पर खुलासे को लेकर राहुल गांधी

लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को चुनाव आयोग पर हमला बोलते हुए कहा कि 'वोट चोरी' भारतीय जनता के खिलाफएक अपराध और संविधान पर हमला है। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्तज्ञानेश कुमार पर निशाना साध रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दो चुनाव आयुक्तों ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और मतदाता सूची प्रक्रिया से जुड़े फैसलों पर कई बार आपत्ति जताई थी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वोट चोरी भारतीय जनता के खिलाफएक अपराध है ।

नगर पंचायत पवनी में 252 हितग्राहियों को वितरित किए गए प्रधानमंत्री आवास योजना के भवन अनुज्ञा पत्र

भटगांव। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत पवनी में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत भवन अनुज्ञा पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर के 252 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में नगर के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में हितग्राहियों की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का और सुरक्षित मकान उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। भवन अनुज्ञा पत्र मिलने के बाद पात्र हितग्राहियों के लिए अपने स्वयं के पक्के मकान के निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है। इससे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों में अपने घर का सपना पूरा होने की उम्मीद बढ़ी है। नगर पंचायत पवनी में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद तथा नगर पंचायत में भाजपा समर्थित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों के निर्वाचित होने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभ मिलने की बात सामने आई है। अब तक 396 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ मिल चुका है। वहीं, आने वाले दिनों में करीब

240 और हितग्राहियों की सूची जारी होने की उम्मीद जताई जा रही है। सूची जारी होने के बाद योजना का लाभ पाने वाले हितग्राहियों की संख्या में और वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। नगर पंचायत पवनी में योजना के माध्यम से लगातार पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। भवन अनुज्ञा पत्र वितरण के साथ ही हितग्राहियों को अपने घर के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित पार्षद करन साहू ने कहा कि सरकार की आवास योजना का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाना प्राथमिकता है। जिन परिवारों के पास वर्षों से अपना पक्का मकान नहीं था, उनके लिए यह योजना काफी महत्वपूर्ण साबित हो रही है। अपने घर का सपना देखने वाले गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना आर्थिक रूप से सहारा बनने के साथ ही उन्हें सुरक्षित और बेहतर जीवन की ओर आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान कर रही है। अध्यक्ष कुलदीप साहू ने डेढ़ वर्ष में किए गए करोड़ों के विकास कार्यों को गिनते हुए कहा कि नगर पंचायत पवनी में योजना के तहत लगातार हितग्राहियों को लाभ मिलने से नगर के जरूरतमंद परिवारों में भी उत्साह का माहौल है। आने वाले समय में शेष पात्र हितग्राहियों को भी योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है। उपाध्यक्ष नंदू साहू ने कहा सभी पात्र आवास के हितग्राहियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि जरूरतमंद लोगों का सपना होता है कि वह अपना पक्का मकान बना सके और इस सपना को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरकार किया जा रहा है इसके लिए आप सभी को बधाई। इस कार्यक्रम में नगर पंचायत पवनी के अध्यक्ष कुलदीप साहू, उपाध्यक्ष नंदू साहू, पार्षद करन साहू, सीएमओ मजीद खान, पार्षद कमलेश साहू, पिंटू साहू, रामगोपाल साहू, नंदलाल साहू, गणेश साहू, रामकृष्ण साहू, लीलांबर साहू, लोकनाथ साहू, टीकम साहू, राजेश चौहान, अमित साहू समेत अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं नगर पंचायत के अधिकारी कर्मचारी और नगर के वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित रहे।

मजगांव स्कूल में सेवा पखवाड़ा में सोनू साहू बोले- बच्चों आप सभी विजेता हो

बेमेतरा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत ग्राम मजगांव की शासकीय प्राथमिक शाला में मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा भाजपा नेता सोनू साहू उपस्थित रहे। उन्होंने सबसे पहले गुरुजनों का श्रीफल भेंट कर सम्मान किया और कहा कि शिक्षक ही विकसित भारत के असली शिल्पी हैं। इसके पश्चात बच्चों द्वारा भाषण, चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपनों को बड़े ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। बच्चों की प्रस्तुतियों से भावुक होकर सोनू साहू ने कहा - आप सभी विजेता हो। यहाँ कोई हारा नहीं है। आपने भाषण बोलने की हिम्मत दिखाई, रंगों से भारत का सपना सजाया, यही आपकी सबसे बड़ी जीत है। मोदी जी कहते हैं - कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

अपने उदबोधन में सोनू साहू ने प्रधानमंत्री जी का संदेश साझा करते हुए कहा- मोदी का मंत्र है - सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। मोदी जी कहते हैं कि 2047 तक हमें भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इसकी नींव आप जैसे बच्चों के सपनों से ही रखी जाएगी। आपका हर भाषण, आपकी हर ड्राइंग और रंगोली भी देश की सेवा है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य सिर्फ कार्यक्रम करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाना और बच्चों में राष्ट्र प्रथम की भावना जगाना है। पूरा विद्यालय परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य पोखराम साहू, मंडल मीडिया प्रभारी द्वारिका साहू, शाला समिति अध्यक्ष ईश्वर आनंद, शिक्षक विमल कोसे, पंच राजेंद्र रंगीला, परदेशी साहू, हरि पुरैना सहित समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने आमजन की सुनीं समस्याएं, जनदर्शन में 29 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। आयोजित जनदर्शन

में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 29 आवेदन प्राप्त हुए।

तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

स्कूल में शराब ले जाने पर शिक्षक निलंबित डीईओ द्वारा मलईडबरी एचएम पर कार्रवाई

डोंगरगांव नगर। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास कुमार सिंह बघेल ने बीईओ डोंगरगांव की ओर से प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर डोंगरगांव विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला मलईडबरी के प्रधान पाठक रणजीत लाल धुर्वे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखंड शिक्षा अधिकारी डोंगरगांव से शासकीय प्राथमिक शाला मलईडबरी के प्रधान पाठक रणजीत लाल धुर्वे के विरूद्ध ग्रामीणों ने शिक्षक द्वारा शराब लेकर स्कूल आने की शिकायत की थी। उक्त आधार पर डोंगरगांव बीईओ जयंत साहू द्वारा एक संकुल समन्वयक एवं संकुल प्राचार्य की टीम भेजकर शिकायत की जांच कराई गई थी। जांच रिपोर्ट के उपरांत बीईओ द्वारा डीईओ राजनांदगांव को

जांच प्रतिवेदन अग्रेषित किया था। डीईओ को बीईओ से प्राप्त जांच प्रतिवेदन में शराब लेकर शाला में उपस्थित होना पाया है। संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक द्वारा ग्रामीणों की उपस्थिति में घटना की सत्यता की पुष्टि हुई है, वहीं संबंधित से जानकारी लेने पर रिश्तेदार द्वारा शराब रखना स्वीकार करना, संबंधित के रिश्तेदार से बात करने पर शराब रखे जाने के संबंध में अनभिज्ञता जाहिर करना पाया गया है। उक्त कृत्य रणजीत लाल धुर्वे के पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, शिक्षकीय गरिमा के विपरीत, अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है, जो कदाचरण की श्रेणी में आता है। उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के विपरित है। इस कृत्य के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत प्रधान पाठक रणजीत लाल धुर्वे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव नियत किया गया है।

विनोद डडसेना को मिला सामाजिक शिक्षा रत्न सम्मान

भटगांव। छत्तीसगढ़ कलार समाज द्वारा शिक्षा, सेवा और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान के लिए एक गरिमामय एवं ऐतिहासिक सम्मान समारोह का आयोजन सत्य साईं हॉस्पिटल ऑडिटोरियम, रायपुर में किया गया। समारोह में प्रदेशभर से शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित शिक्षकों को एक मंच पर सम्मानित कर उनके योगदान को नमन किया गया। सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा रूपकुमारी चौधरी मुख्य अतिथि की आसंदी पर विराजमान थीं। जिनके शुभ कर कमलों से विनोद डडसेना को यह सम्मान मिला ।विशिष्ट अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग अध्यक्ष राकेश पाण्डे, अशोक बजाज, अशोक सिन्हा, प्रमिला सिन्हा आसीन थे। छत्तीसगढ़ कलार समाज के प्रांताध्यक्ष युवराज सिन्हा सहित समाज के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न इस समारोह में उन शिक्षकों का सम्मान किया गया।

छत्तीसगढ़ की नवधा परंपरा को मिलेगा प्रदेशव्यापी मंच, नवधा महासंघ का गठन

डॉ.सौरव निर्वाणी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की चर्चा, गांव-गांव की नवधा समिती आएगी एक मंच पर

नवधा मंडलियों का होगा पंजीयन, वाद्य यंत्रों से लेकर बड़े सांस्कृतिक मंच तक उपलब्ध कराने की योजना

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के गांवों में पीढ़ियों से भगवान श्रीराम की स्तुति के साथ गूंज रही नवधा रामायण की परंपरा को अब संगठित स्वरूप देने, गांव-गांव में बिखरी नवधा मंडलियों को एक मंच पर लाने के लिए धर्म स्तंभ कार्उंसिल ने प्रदेश में 'नवधा महासंघ' का गठन किया है। इसी सिलसिले में धर्म स्तंभ कार्उंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर नवधा महासंघ के गठन की रूपरेखा और इसके उद्देश्यों पर चर्चा की,नवधा महासंघ का उद्देश्य नवधा की प्राचीन परंपरा को संरक्षित करने के साथ ग्रामीण कलाकारों और मंडलियों को संगठित पहचान तथा

व्यापक मंच उपलब्ध कराना है। डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल उसके प्राकृतिक वैभव से नहीं, बल्कि उसकी जीवंत लोक परंपराओं से भी है,नवधा रामायण ऐसी ही परंपरा है, जिसने गांवों में भक्ति, संस्कार और सामूहिक सांस्कृतिक चेतना को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा है। उन्होंने कहा, गांव की चौपालों और मंदिरों में पीढ़ियों से गूंजती नवधा की रामधुन को अब प्रदेशव्यापी पहचान दिलाने का समय आ गया है,हमारा प्रयास है कि हर गांव की नवधा मंडली को जोड़ा जाए और इस परंपरा को एक सशक्त सांस्कृतिक आंदोलन का रूप दिया जाए।

नवधा मंडलियों का होगा रजिस्ट्रेशन-नवधा महासंघ में प्रदेशभर में सक्रिय नवधा समितियों और कलाकारों का पंजीयन एवं सूचीकरण किया जाएगा,इसके लिए गांव और जिले स्तर पर मंडलियों की जानकारी जुटाकर उन्हें महासंघ के नेटवर्क से जोड़ने की योजना है। नवधा मंडलियों को छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग से आवश्यकतानुसार हारमोनियम, पेटी, तबला, ढोलक, मंजीरा, मोहिन्या सहित पारंपरिक वाद्य यंत्र उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा,साथ ही उत्कृष्ट मंडलियों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक आयोजनों में प्रस्तुति के अवसर उपलब्ध कराया जाएगा।

संत समाज का मार्गदर्शन-नवधा महासंघ की इस पहल को संत समाज का भी मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है,संरक्षक मंडल में नागा महंत हरिशंकर दास (हरिव्यासी निर्वाणी अखाड़ा), महंत नरेंद्र दास (राष्ट्रीय महामंत्री, निर्मोही अखाड़ा), महंत राम रूप दास महात्यागी (प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय संत समिति, मदकूद्वीप), महंत राधेश्याम दास (सेतगंगा), महंत श्याम दास तथा महंत सुरेंद्र दास (निर्वाणी अखाड़ा, नर्मदा कुंड) को शामिल किया गया है। संरक्षक प्रेरणा स्रोत दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर एवं गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) स्वामी राजीव लोचन दास ने कहा कि समाज ने नवधा जैसी परंपराओं को सदियों से अपने स्तर पर जीवित रखा है,अब इसे संगठित स्वरूप देकर नई पीढ़ी तक पहुंचाना महत्वपूर्ण प्रयास है।

बरगांव चारभाठा में 3 लाख अवैध ईंट जब्त, अवैध ईंट भट्ठे पर राजस्व विभाग की कार्रवाई, ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन ने दिखाई सख्ती

डोंगरगांव नगर। अनुभाग अंतर्गत गांवों में अवैध ईंट निर्माण धड़ल्ले से होती है। ठंड व गर्मी के मौसम में लगातार प्राकृतिक संसाधनों के दोहन करके अवैध ईंट निर्माण के बाद बारिश के दिनों में ऊंचे दर में ईंट विक्रय करते हैं। ऐसी ही शिकायतों के मध्य तहसील क्षेत्र के बरगांव चारभाठा में राजस्व विभाग ने अवैध ईंट भट्ठे पर कार्रवाई की है। विभाग ने लगभग 3 लाख, 29 हजार ईंट को जब्त कर ग्राम पंचायत सरपंच के सुपुर्द कर दिया है। उल्लेखनीय है कि अनुभाग के गांवों में बड़े पैमाने पर अवैध ईंट निर्माण किये जाते हैं। ईंट निर्माण करने वाले स्थानीय ग्रामीण कम दूसरे राज्यो से आये अस्थाई बाशिंदे या बाहरी लोग अधिक होते हैं। इनके द्वारा बारिश मौसम के पुर्व अवैध ढंग से स्थल, मिट्टी, विद्युत कनेक्शन, लकड़ी, मुर्गी खाद व अन्य आवश्यक सामग्री अवैध तरीके से जुटाकर स्थानीय संसाधनों का दुरुपयोग करते हैं। उपरांत बारिश के मौसम में अधिक दामों पर विक्रय करते हैं। उल्लेखनीय है कि गांवों में अधिकतर ईंट निर्माताओं के पास कोई वैध दस्तावेज नही होते हैं, अपितु अनुज्ञा से अधिक ईंट निर्माण कर इनके द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया जाता है। इसी तारतम्य में तहसील के ग्राम पंचायत बरगांव चारभाठा में ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों की शिकायत पर राजस्व विभाग के नायाब तहसीलदार जेपी खूंटे की अगुवाई में राजस्व टीम ने प्रभु पाड़े द्वारा निर्मित ईंट भठ्ठे में कार्रवाई की। भट्ठे निर्माता द्वारा वैध दस्तावेज उपलब्ध नही कराए जाने पर 3 लाख, 20 हजार ईंट को राजस्व विभाग की टीम ने जब्त कर लिया है। विभाग ने जब्त ईंट को प्रकरण में पंचनामा बनाकर स्थानीय सरपंच ज्योति साहू के सुपुर्द सौंप दिया है। विभाग ने छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 247(7) के तहत कार्रवाई की किये जाने की बात कही है। उक्त कार्रवाई के दौरान नायाब तहसीलदार जेपी खूंटे, राजस्व निरीक्षक फारुख खान, पटवारी सुमन चन्द्रवंशी, ग्राम पंचायत सरपंच ज्योति साहू, नेमीचंद कोटवार, पंचगण, ग्रामवासीजन बड़ी सख्या में उपस्थित थे।

बारगांव विद्यालय के 4 खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में चयन, हॉकी खेल में बेमेतरा जिले के लिए बड़ी उपलब्धि

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के विकासखण्ड बेरला अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव के विद्यार्थियों ने खेल के मैदान में विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है विद्यालय के 2 बालक एवं 2 बालिकाओं का चयन 26 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता के लिए हुआ है जो बेमेतरा जिले के हॉकी खेल में एक बड़ी उपलब्धि है,यह प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता राजनादगांव में आगामी 24 सितंबर से 27 सितंबर तक आयोजित होने जा रही है,चयनित होनहार खिलाड़ी 17 वर्ष बालक वर्ग कुलदीप कुमार (कक्षा 11वीं) एवं हिमांशु कुमार (कक्षा 9वीं) और 17 वर्ष बालिका वर्ग लोकेश्वरी निषाद (कक्षा 11वीं) एवं दिव्या निषाद

(कक्षा 9वीं) है सभी खिलाड़ियों ने संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में अपनी खेल तकनीक और कौशल के प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सभी खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए दुर्ग संभाग की टीम में चयनित किया गया है जहां वे अपने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे इन होनहार खिलाड़ियों की सफलता के पीछे विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका और खेल कोच तुलसी साहू का विशेष योगदान है वर्तमान में सभी खिलाड़ी इनके कुशल मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत और नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं ताकि राज्य स्तरीय से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जीत का परचम लहरा सकें।

विद्यार्थियों की सफलता को बताया पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण

इस बड़ी उपलब्धि पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव के प्राचार्य श्याम सिंह ने अत्यंत हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय के व्यायाम शिक्षिका कोच तुलसी साहू के कुशल मार्गदर्शन में हमारे स्कूल के इन होनहार बच्चों ने संभाग स्तर पर अपने असाधारण खेल कौशल से यह मुकाम हासिल किया है ग्रामीण अंचल के बच्चों का राज्य स्तर पर चयन होना न केवल हमारे विद्यालय बल्कि पूरे बेमेतरा जिले के लिए गौरव का क्षण है मुझे पूरा विश्वास है कि ये खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर जीत हासिल करेंगे और स्कूल व जिले का मान बढ़ाएंगे।

कड़े अभ्यास और अनुशासन से मिली सफलता

इस उपलब्धि पर जानकारी देते हुए विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका एवं खेल कोच तुलसी साहू ने बताया कि सभी बच्चों ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था जिसके आधार पर इनका चयन राज्य स्तर के लिए हुआ है मैदान पर बच्चों का कड़ा अभ्यास, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण ही उनकी इस सफलता की कुंजी है। विद्यालय के सभी स्टाफ ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विजयी होने के लिए अपनी अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की हैं

राज्य रैंकिंग में बेमेतरा को दिलाएं बेहतर स्थान : प्रतिष्ठा ममगाईं

बेमेतरा। कलेक्ट्रेट के दिशा सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक लेकर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं के पैरामीटर में राज्य स्तर की रैंकिंग में बेमेतरा जिले को अच्छी जगह बनानी है। इसके लिए योजनाओं के क्रियान्वयन में जवाबदेही सुनिश्चित करें और प्रत्येक योजना, सेवा और कार्यक्रम में प्रगति लाएं। जनहित से जुड़े सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि आगामी खरीफ विपणन वर्ष में धान खरीदी के लिए शासन द्वारा स्वीकृत नवीन उपार्जन केंद्रों में अभी से तैयारी शुरू

कर दी जाए। सभी नवीन केंद्रों में चबूतरा निर्माण, शेड निर्माण, बिजली, पानी, कांटा-बांट, बारदाना, कंप्यूटर, इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधाओं की प्रारंभिक तैयारी तत्काल प्रारंभ करें, ताकि खरीदी के समय किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने गौशालाओं और गौठानों की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए बेहद गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशाला और गौठानों में रखे गए पशुओं के लिए समुचित रखरखाव की व्यवस्था हो। बीमार पशुओं के उपचार के लिए पशु चिकित्सकों की नियमित व्यवस्था हो, चारे-पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रहे। अव्यवस्था के कारण कोई भी गंभीर घटना न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सभी नगरीय निकाय (नगर पालिका, नगर पंचायतें) इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता में लें और प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें। कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। सूने मकान का ताला तोड़कर नगदी चोरी करने के मामले में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट एवं थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान असवंत निषाद (26) निवासी संतोषी नगर, टिकरापारा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस के मुताबिक मठपुरैना टिकरापारा निवासी प्रेम सोनी ने थाना टिकरापारा में शिकायत दर्ज कराई थी कि 1 से 2 मई 2026 की दरम्यानी रात अज्ञात चोर उसके सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसा और कमरे में रखी आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी नगदी रकम चोरी कर ले गया। शिकायत पर थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 376/26 के तहत धारा 331(4), 305 बीएनएस में मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने प्रार्थी और आसपास के लोगों से पूछताछ की। घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की भी बारीकी से जांच की गई। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटना में संलिप्त आरोपी की पहचान संतोषी नगर निवासी असवंत निषाद के रूप में की। पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़कर पूछताछ की, जिसमें उसके द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किए जाने की जानकारी पुलिस ने दी।

ब्लैक करेंसी स्कैम में बड़ी कार्रवाई, महाराष्ट्र से 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के चर्चित करोड़ों रुपये के वॉश एंड वॉश/ ब्लैक करेंसी स्कैम मामले में रायपुर पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने महाराष्ट्र के पालघर जिले से रामायण सिंह उर्फ अभिषेक सिंह (39) और दीपक सिंह (46) को गिरफ्तार किया है। दोनों मीरा रोड और विरार वेस्ट के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में पहले 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनके कब्जे से 4 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, 20 मोबाइल, एटीएम कार्ड, नोट के आकार के काले कागज, कांच की प्लेटें और अन्य दस्तावेज जब्त किए गए थे। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 4 करोड़ 2 लाख रुपये आंकी गई थी। जांच के दौरान जब्त मोबाइल फोन के तकनीकी विश्लेषण और आरोपियों से पूछताछ में पुलिस को महाराष्ट्र कनेक्शन की जानकारी मिली।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से अनाचार, आरोपी राजिम से गिरफ्तार

रायपुर। शादी का झांसा देकर नाबालिग से कथित अनाचार के मामले में पामगढ़ पुलिस ने 22 वर्षीय आरोपी सत्यम दिनकर, निवासी मेऊ को राजिम से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना पामगढ़ में अपराध क्रमांक 397/2026 के तहत धारा 64, 64(2)(एम), 65(1), 69 बीएनएस एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी द्वारा शादी का झांसा देकर लगातार अनाचार किए जाने की बात सामने आने पर पुलिस ने साइबर तकनीकी सहायता से उसकी लोकेशन ट्रेस की और राजिम से पकड़ लिया।

सेवा संकल्प अभियान

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम

- उप मुख्यमंत्री ने 'सेवा संकल्प अभियान' को जनभागीदारी से सफल बनाने के दिए निर्देश
- अभियान की आगामी गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर/ संवाददाता

'सेवा संकल्प अभियान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम – श्री अरुण साव 'सेवा संकल्प अभियान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम – श्री अरुण साव उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के मंत्री श्री अरुण साव ने आज कोरबा जिला मुख्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की रूपरेखा, तिथि और आयोजन स्थलों को अंतिम रूप देते हुए सभी कार्यक्रमों को व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक माह तक चलने वाले इस अभियान को सार्थक, प्रभावी और जनोन्मुखी स्वरूप देने के लिए शासन, प्रशासन तथा आमजन के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों का सुचारु एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और विधायक श्री प्रेमचंद पटेल भी बैठक में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 17 सितम्बर को

आयोजित 'आशीर्वाद के दिया' कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि घर-घर दीप प्रज्ज्वलित कर जनभागीदारी का जो उत्साह देखने को मिला, वह अभियान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि 'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं ने चित्रकला और भाषण के माध्यम से देश के प्रति अपने विचार और कल्पनाओं को अभिव्यक्त किया। उन्होंने आगामी गतिविधियों में भी इसी उत्साह और सहभागिता को बनाए रखते हुए सभी कार्यक्रमों को उत्सव के रूप में आयोजित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने 'सेवा संकल्प अभियान' के शेष कार्यक्रमों के लिए तिथिवार कार्ययोजना तैयार करने, कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित करने तथा आयोजन स्थलों का चिन्हांकन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रमों की तिथि, स्वरूप एवं आयोजन स्थल की पूर्व जानकारी उपलब्ध कराने तथा निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सभी गतिविधियों का समय पर आयोजन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करते हुए अभियान की गतिविधियों को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आयोजन में उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित हो और लोगों को सक्रिय रूप से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाए। अभियान के तहत गांवों और शहरों में स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए नदी-घाटों की साफ-सफाई, वृहद स्तर पर पौधरोपण, रक्तदान, अंगदान सहित विभिन्न जनसेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाए। इन कार्यक्रमों में अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए उन्हें सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और मानवता के प्रति संकल्प दिलाया जाए। श्री साव ने कहा कि अभियान के दौरान केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को 'सेवा की कहानी' के रूप में संकलित कर लोगों तक पहुंचाया जाए।

छत्तीसगढ़ में फिर बारिश की संभावना जताई.....

रायपुर। प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि एक-दो स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। अब 21 सितंबर से बारिश की गतिविधियों में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। विभाग ने एक-दो स्थानों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य हिस्से और उससे लगे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर बना निम्न दबाव क्षेत्र लगातार सक्रिय है। इसके 21 सितंबर को अवदाब और 22 सितंबर को गहरे अवदाब में बदलने की संभावना है। इसके बाद यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए 23 सितंबर की सुबह उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा तट के पास पहुंच सकता है। पिछले 24 घंटों में छिंदगढ़ में सर्वाधिक 7 सेमी बारिश दर्ज की गई। तोंगपाल और छोटेडोंगर में 6-6 सेमी, जबकि नांगर और सुकमा में 5-5 सेमी बारिश हुई। रायपुर शहर में 2 सेमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है। अगले दो दिनों में भी अधिकांश स्थानों पर बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश तथा वज्रपात की संभावना है। रायपुर में 21 सितंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहने तथा एक-दो दौर बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

भटगांव विधानसभा के 7 धान उपार्जन केंद्र होंगे सुविधा-संपन्न-मंत्री राजवाड़े..

- 69.58 लाख रुपए से पक्के फड़ एवं समतलीकरण कार्य को मिली स्वीकृति, किसानों को मिलेगी बेहतर उपार्जन सुविधा

रायपुर/ संवाददाता

किसानों को धान उपार्जन के दौरान बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भटगांव विधानसभा क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की गई है। भटगांव विधायक एवं कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र के 7 धान उपार्जन केंद्रों में पक्के फड़ निर्माण एवं समतलीकरण कार्य के लिए 69.58 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। इससे इन केंद्रों में आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी और किसानों को धान बेचने के दौरान अधिक व्यवस्थित एवं सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। स्वीकृत कार्यों में सूरजपुर विकासखंड के टमकी, सिरसी, करोटी बी, खोपो, बतरा, सांवारांवां एवं कुर्रीडीह स्थित धान उपार्जन केंद्र शामिल हैं। प्रत्येक केंद्र में 9.94 लाख रुपए की लागत से पक्के फड़ निर्माण एवं समतलीकरण का कार्य किया जाएगा। धान उपार्जन केंद्रों में पक्के फड़ और समतलीकरण होने से उपार्जन व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित होगी। इससे धान की आवक, खरीदी और रख-रखाव के दौरान होने वाली व्यावहारिक परेशानियों को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही किसानों को उपार्जन केंद्रों पर बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में यह कार्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को गति देने के क्रम में यह स्वीकृति एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा भटगांव विधानसभा क्षेत्र में किसानों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने के प्रयासों का यह एक और परिणाम है। इससे धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था मजबूत होने के साथ किसानों को सुविधाजनक उपार्जन व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

मातृत्व के सफर में महिलाओं का संबल बनी प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- माताओं को आर्थिक सहायता, बच्चों के पोषण और बेहतर देखभाल को मिला सहारा

रायपुर/ संवाददाता

सेवा की कहानी : मातृत्व के सफर में महिलाओं का संबल बनी प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजनासेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की हितग्राहीमूलक योजनाएं माताओं और बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मातृत्व के महत्वपूर्ण दौर में महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर उनके स्वास्थ्य, पोषण और बच्चों की बेहतर देखभाल में सहायक बन रही है। बलरामपुर जिले की श्रीमती नेहा गुप्ता और श्रीमती हसरत खान की कहानी इस योजना के प्रभाव को दर्शाती है। श्रीमती नेहा गुप्ता को पहली संतान के जन्म पर 5 हजार रुपये तथा दूसरी संतान के रूप में बालिका के जन्म पर 6 हजार रुपये, इस प्रकार कुल 11 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और स्वयं की देखभाल में किया। इसी तरह श्रीमती हसरत खान को अपनी दोनों बेटियों के जन्म के समय प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि मातृत्व के दौरान प्राप्त आर्थिक सहायता से बेटियों की देखभाल, पोषण और आवश्यक जरूरतें पूरी करने में मदद मिली तथा परिवार पर आर्थिक दबाव कम हुआ। दोनों महिलाओं का कहना है कि मातृत्व के इस महत्वपूर्ण दौर में मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें आत्मविश्वास दिया और बच्चों की बेहतर परवरिश में सहारा प्रदान किया। उन्होंने शासन की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं माताओं और बेटियों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की नींव मजबूत करती हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को निर्धारित पात्रता के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को मातृत्व के दौरान आर्थिक संबल प्रदान करना है। सेवा संकल्प अभियान के तहत ऐसी सेवा की कहानियां यह दर्शाती हैं कि शासन की योजनाओं का लाभ जब जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचता है, तो वह उनके जीवन में भरोसे और आत्मनिर्भरता का आधार बनता है।

घर बैठे मिली डायवर्सन की सेवा... समय और धन दोनों की हुई बचत

- सेवा सेतु पोर्टल बना सुशीला की सुविधा का सेतु

रायपुर/ संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा की कहानी' के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी सेवाओं से आम नागरिकों के जीवन में आए बदलावों को सामने लाया जा रहा है। सुशासन और तकनीक के समन्वय से शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सेवाओं का लाभ सहजता से मिल रहा है। सूरजपुर जिले के नगर पंचायत प्रतापपुर निवासी श्रीमती सुशीला सिन्हा को भूमि डायवर्सन की प्रक्रिया में मिली सुविधा इसकी एक प्रेरक मिसाल है। श्रीमती सुशीला सिन्हा ने अपनी भूमि के डायवर्सन के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद राजस्व विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए डायवर्सन की प्रक्रिया पूरी की गई। बिना अनावश्यक कार्यालयीन चक्कर लगाए कार्य पूरा होने से श्रीमती सिन्हा को काफी सुविधा मिली। श्रीमती सिन्हा बताती हैं कि पहले भूमि संबंधी कार्यों के लिए कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते थे। इससे समय के साथ आने-जाने में धन भी खर्च होता था। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अब घर बैठे आवेदन की सुविधा मिलने से प्रक्रिया अधिक सहज हुई है और निर्धारित समय-सीमा में सेवा प्राप्त करना आसान हुआ है। भूमि डायवर्सन का कार्य सुगमता से पूर्ण होने पर श्रीमती सुशीला सिन्हा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल ने शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाया है।

मंत्री राजवाड़े पहुंचीं ग्राम कुंजनगर महिलाओं से किया आत्मीय संवाद

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहीं महिलाओं से सीधे संवाद की पहल को आगे बढ़ाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ग्राम कुंजनगर पहुंचीं। उन्होंने महिलाओं और अन्य हितग्राहियों से आत्मीय संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभ, उनके अनुभवों और परिवार के जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विशेष रूप से महतारी वंदन योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राही महिलाओं से बातचीत की। उन्होंने जाना कि योजनाओं से प्राप्त आर्थिक सहायता महिलाओं की दैनिक आवश्यकताओं, परिवार के खर्च और मातृत्व से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में किस प्रकार सहयोगी बन रही है। महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शासकीय योजनाओं से उन्हें आर्थिक संबल और आत्मविश्वास मिला है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाएं महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ मातृत्व और परिवार के बेहतर पोषण में भी सहयोग प्रदान कर रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से इन योजनाओं के वास्तविक लाभ और हितग्राहियों के अनुभवों को सामने लाने के साथ शासन और जनता के बीच सीधा संवाद मजबूत किया जा रहा है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्रामीण महिलाओं की बातों को गंभीरता से सुना और योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े उनके अनुभव जाने।

सेवा की कहानी

कभी कर्ज की चिंता, आज आत्मनिर्भरता की राह पर रेशम साहू...

- पिंक ई-ऑटो ने बदली जिंदगी, 8-10 हजार की पारिवारिक आय बढ़कर हुई 25-30 हजार रुपये
- ई-ऑटो की कमाई से चुकाया बढ़ा हुआ कर्ज, परिवार की जरूरतें पूरी करने में मिली आर्थिक मजबूती

रायपुर/ संवाददाता

कभी घर का खर्च चलाने के लिए उधार लेना पड़ता था। कारोबार में हुए नुकसान और बढ़ते कर्ज की चिंता हर महीने सामने खड़ी रहती थी। लेकिन आज पिंक ई-ऑटो चलाते हुए ग्राम बेंद्री की श्रीमती रेशम साहू न केवल अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां संभाल रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की एक नई पहचान भी बना रही हैं। रेशम की जिंदगी में आया यह बदलाव बताता है कि जब महिलाओं को अवसर, साधन और सहयोग मिलता है, तो वे मुश्किल परिस्थितियों को भी नई दिशा दे सकती हैं। रायपुर जिला के विकासखंड अभनपुर के ग्राम बेंद्री निवासी श्रीमती रेशम साहू 'कल्याणी समर्थन महिला स्व-सहायता समूह' से जुड़ी हैं। कुछ समय पहले तक रेशम अपने पति हरीश साहू के साथ जनरल स्टोर और सिलाई का काम करती थीं। दोनों की संयुक्त मासिक आय करीब 8 से 10 हजार रुपये थी। सीमित आमदनी में घर चलाना आसान नहीं था। परिवार की जरूरतों के लिए कई बार उधार लेना पड़ता था। रेशम ने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए 60 हजार रुपये का ऋण लिया था। परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहीं और ब्याज बढ़ने के साथ यह राशि बढ़कर 1.83 लाख रुपये तक पहुंच गई। जनरल स्टोर और सिलाई के काम में हुए आर्थिक नुकसान के बाद रेशम पर 12 हजार रुपये प्रतिमाह की व्यक्तिगत ऋण किस्त का अतिरिक्त बोझ भी था। ऐसे समय में पिंक ई-ऑटो उनके लिए सिर्फ एक वाहन बनकर नहीं आया, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति को संभालने का नया सहारा बन गया। पिंक ई-ऑटो मिलने के बाद

रेशम ने खुद ई-ऑटो चलाना शुरू किया। मेहनत बढ़ी तो आमदनी भी बढ़ी। आज वे हर महीने करीब 25 से 30 हजार रुपये तक कमा रही हैं। अपनी कमाई से उन्होंने बढ़े हुए कर्ज की राशि भी चुका दी है। व्यक्तिगत ऋण की 12 हजार रुपये की मासिक किस्त नियमित रूप से जमा करने के साथ अब वे परिवार की जरूरतों को भी पहले की तुलना में बेहतर तरीके से पूरा कर पा रही हैं। रेशम के लिए यह बदलाव सिर्फ आय बढ़ने तक सीमित नहीं है। आर्थिक परेशानियों के बीच जिस महिला को कभी उधार और कर्ज की चिंता सताती थी, वही महिला आज अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार की जिम्मेदारियों में मजबूती से भागीदारी निभा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से रेशम जैसी महिलाओं को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। रेशम साहू के लिए यह अवसर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और आजीविका को प्राथमिकता देने वाली सोच का परिणाम है। वे इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करती हैं। वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में नवा रायपुर अटल नगर में सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन के साथ महिलाओं को स्थायी आजीविका से जोड़ने की दिशा में 'प्रोजेक्ट पिंक ई-ऑटो' को आगे बढ़ाया जा रहा है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के संयुक्त प्रयास से संचालित यह पहल महिलाओं के लिए रोजगार का नया अवसर बन रही है। रेशम साहू इस पहल के लिए मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के प्रति भी आभार व्यक्त करती हैं। उनका कहना है कि पिंक ई-ऑटो ने उन्हें अपनी मेहनत से आय अर्जित करने और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर दिया है।

संपादकीय

दागी उम्मीदवारों को टिकट देने की वजह बताने में 51 दल नाकाम, 191 मामलों में जानकारी अधूरी

बड़ा सवाल यह है कि आखिर दागी नेताओं पर पर्दा क्यों रखा जाता है? उम्मीदवार चुनने की वजह बताने से क्यों पार्टियां कतराती हैं? इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दागी पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सभी दल विफल रहे।इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दागी पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सभी दल विफल रहे। देश की राजनीति को आपराधिक छवि के नेताओं से मुक्त कराने के लिए दावे करने में कोई कमी नहीं होती है। राजनीति के अपराधीकरण या संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के बढ़ते दखल पर चिंता जाहिर करने के मामले में देश की सभी पार्टियां आगे रहती हैं।मगर जब गंभीर अपराधों के आरोप या मुकदमे झेल रहे लोगों को उम्मीदवार न बनाने का सवाल आता है, तब शायद ही किसी पार्टी को इस तकाजे का खयाल रखना जरूरी लगता है। यह बेवजह नहीं है कि पिछले कई दशकों से चुनावी राजनीति में वैसे लोग भी आम होते गए हैं, जिन पर छोटे-बड़े से लेकर जघन्य अपराधों तक में शामिल रहने का आरोप होता है।हैरानी की बात यह भी है कि जब कोई दागी पृष्ठभूमि का व्यक्ति चुन कर जनप्रतिनिधि बन जाता है, तो उसे टिकट देने वाली पार्टी यह बताना भी जरूरी नहीं समझती कि उसके सामने ऐसी क्या मजबूरी या वजह थी कि जानते-बूझते हुए भी उसने आपराधिक छवि के किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने लायक समझा। राजनीतिक दलों के इस रुख पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दागी पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सभी दल विफल रहे। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने इक्यावन राजनीतिक दलों की ओर से दाखिल किए गए दस्तावेजों के आधार पर तैयार अपनी रिपोर्ट में बताया कि 1,405 उम्मीदवारों में से 191 के बारे में जरूरी जानकारी नहीं दी गई।जबकि नियमों के मुताबिक मतदाताओं को उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में बताने के साथ-साथ यह भी बताना जरूरी है कि किसी राजनीतिक दल ने एक दागी को ही उम्मीदवार क्यों चुना और इसके लिए किसी बेदाग छवि वाले व्यक्ति को क्यों नहीं चुना।जाहिर है, ऐसा करने पर पार्टियों के सामने एक नैतिक बाधा खड़ी हो जाएगी कि उन्हें राजनीति में अपराधीकरण को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मगर लगभग सभी राजनीतिक दलों का इस तरह का रुख ही क्या इसके लिए जिम्मेदार नहीं है कि आज नागरिकों के सामने ईमानदार और बेदाग जनप्रतिनिधि चुनने के विकल्प सिमटते जा रहे हैं?

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल इंडिया स्टैक यानी यूपीआई, आधार और डिजीलॉकर जैसे स्वदेशी डिजिटल समाधानों को पेश किया है। आज जब विकसित देश भी डिजिटल भुगतान के महंगे और एकाधिकारवादी मॉडलों पर निर्भर हैं, तब भारत ने एक ऐसा लोकतान्त्रिक और समावेशी वित्तीय ढांचा खड़ा किया है जिसने करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत ने इन तकनीकों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने का जो प्रस्ताव रखा है, वह इन देशों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए व आकांक्षी ब्रिक्स सदस्यों के लिए भारत का यह मॉडल वित्तीय समावेशन का एक ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसे वे बिना किसी भारी कर्ज के अपने देशों में लागू कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहां भारत दुनिया को केवल पूंजी का नहीं, बल्कि विकास के व्यावहारिक रास्तों का भरोसा दे रहा है।

दैनिक भास्कर

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आर्थिक संबल बनता भारत-ब्रिक्स में नई दिल्ली की कूटनीतिक धमक

(अशोक भाटिया)

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल 'इंडिया स्टैक' यानी यूपीआई, आधार और डिजीलॉकर जैसे स्वदेशी डिजिटल समाधानों को पेश किया है।वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है जहां अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और मंदी की आशंकाओं ने विकसित देशों की रफ्तार को धीमा कर दिया है। ऐसे संकटपूर्ण वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दुनिया के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। इस सम्मेलन का सबसे बड़ा और स्पष्ट संदेश यह है कि जब पूरी दुनिया युद्धों के साए और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, तब भारत वैश्विक मंच पर आर्थिक विकास (ग्रोथ) का सबसे मजबूत और भरोसेमंद चेहरा बनकर सामने आया है। ब्रिक्स के मंच पर भारत की इस आर्थिक धमक और कूटनीतिक कौशल ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली अब केवल वैश्विक विमर्श का हिस्सा नहीं है, बल्कि वह वैश्विक एजेंडा तय करने वाली महाशक्ति बन चुकी है। 'भारत का डंका' बजने का यह स्वर केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक आंकड़ों, सुधारों और कूटनीतिक परिपक्वता की बुनियाद पर टिका हुआ है।

इस शिखर सम्मेलन में भारत की केंद्रीय भूमिका को समझने के लिए सबसे पहले उस वैश्विक पृष्ठभूमि को देखना होगा जिसमें इसका आयोजन हो रहा है। एक तरफ जहां यूरोप और अमेरिका जैसे पारंपरिक आर्थिक पावरहाउस उच्च मुद्रास्फीति, कर्ज के संकट और अंदरूनी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के संकट ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को छिन्न-भिन्न कर दिया है। इस चौतरफा संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाएं लगातार भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था मान रही हैं। जब ब्रिक्स के पुराने और नए सदस्य देश नई दिल्ली में एकत्रित हुए, तो उनके सामने एक ऐसा भारत था जिसने न केवल महामारी और युद्ध के झटकों को सफलतापूर्वक झेला है, बल्कि अपनी विकास दर को 7 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा है। यही कारण है कि इस सम्मेलन में भारत द्वारा दिए गए ग्रोथ के भरोसे को दुनिया ने हाथों-हाथ लिया है। भारत की इस सफलता का सबसे मजबूत स्तंभ उसकी रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित कूटनीति है। ब्रिक्स समूह का इस समय अभूतपूर्व विस्तार हो चुका है, जिसमें अब ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र जैसे देश शामिल हैं। इन देशों के आने से ब्रिक्स की आर्थिक ताकत तो बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही समूह के भीतर भू-राजनीतिक जटिलताएं और आपसी मतभेद भी गहरे हुए हैं। मिसाल के तौर पर, ईरान और खाड़ी देशों के बीच के ऐतिहासिक तनाव या फिर अमेरिका के साथ उनके समीकरणों को संभालना बेहद नाजुक काम है। इसके अलावा, चीन की इस समूह को एक पश्चिम-विरोधी ब्लॉक बनाने की महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं है। ऐसे जटिल माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ब्रिक्स को पश्चिम-विरोधी बनने से रोककर उसे गैर-पश्चिम मंच के रूप में बनाए रखने में सफलता पाई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स का उद्देश्य किसी देश या ब्लॉक के खिलाफ मोर्चा खोलना नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की आवाज को बुलंद करना और एक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था का निर्माण करना है।

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल इंडिया स्टैक यानी यूपीआई, आधार और डिजीलॉकर जैसे स्वदेशी डिजिटल समाधानों को पेश किया है। आज जब विकसित देश भी डिजिटल भुगतान के महंगे और एकाधिकारवादी मॉडलों पर निर्भर हैं, तब भारत ने एक ऐसा लोकतान्त्रिक और समावेशी वित्तीय ढांचा खड़ा किया है जिसने करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत ने इन तकनीकों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने का जो प्रस्ताव रखा है, वह इन देशों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए व आकांक्षी ब्रिक्स सदस्यों के लिए भारत का यह मॉडल वित्तीय समावेशन का एक ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसे वे बिना किसी भारी कर्ज के अपने देशों में लागू कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहां भारत दुनिया को केवल पूंजी का नहीं, बल्कि विकास के व्यावहारिक रास्तों का भरोसा दे रहा है। इसके साथ ही, विनिर्माण और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की छलांग ने निवेशकों के भीतर एक नया विश्वास पैदा किया है। मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्डइंसेंटिव जैसी योजनाओं के माध्यम से भारत अब दुनिया का वैकल्पिक विनिर्माण हब बन चुका है। चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश में जुटी वैश्विक कंपनियां भारत को प्लस वन रणनीति के तहत सबसे सुरक्षित और व्यवहार्य ठिकाने के रूप में देख रही हैं। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक चर्चाओं में भारत ने खुद को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के एक मजबूत और अटूट लिंक के रूप में स्थापित किया है। चाहे वह सेमीकंडक्टर का क्षेत्र हो, मोबाइल विनिर्माण हो या फिर फार्मास्यूटिकल्स–भारत की क्षमताएं अब वैश्विक स्तर पर प्रमाणित हो चुकी हैं। हरित ऊर्जा के मोर्चे पर भी, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और जैव ईंधन गठबंधन जैसी पहलों के जरिए भारत ने यह दिखाया है कि वह आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी उतना ही गंभीर है।

शिखर सम्मेलन का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू ब्रिक्स के भीतर डी-डॉलराइजेशन यानी अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की चर्चा है। इस मोर्चे पर भारत की नीति अत्यंत व्यावहारिक और दूरदर्शी रही है। जहां कुछ सदस्य देश पूरी तरह से डॉलर को उखाड़ फेंकने की आक्रामक और जल्दबाजी भरी वकालत कर रहे हैं, वहीं भारत ने रुपी-ट्रेड के अपने सफल प्रयोगों को सामने रखकर एक मध्यम मार्ग दिखाया है। भारत ने रूस, यूएई और कई अन्य देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार की शुरुआत करके यह साबित किया है कि बिना किसी वैश्विक वित्तीय उथल-पुथल के भी अपनी मुद्रा को मजबूत किया जा सकता है। ब्रिक्स के मंच पर भारतीय रुपये की स्वीकार्यता बढ़ाने की इस कोशिश को व्यापक समर्थन मिला है, जो आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत के प्रभुत्व को और बढ़ाएगा। भारत के इस आर्थिक उभार ने चीन की उस रणनीति को भी तगड़ा झटका दिया है जिसके तहत वह ब्रिक्स को अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव जैसी विस्तारवादी योजनाओं के विस्तार का जरिया बनाना चाहता था। भारत ने हमेशा संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने वाले पारदर्शी बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है। इस सम्मेलन में भी भारत ने यह सुनिश्चित किया कि ब्रिक्स का एजेंडा किसी एक देश की विस्तारवादी सोच से संचालित न होकर सामूहिक विकास पर केंद्रित रहे। यही कारण है कि वैश्विक दक्षिण के देश अब चीन के कर्ज जाल से डरकर भारत को एक अधिक विश्वसनीय और लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में देख रहे हैं। भारत की वसुधैव कुटुंबकम की भावना ब्रिक्स के सिद्धांतों में साफ झलकती है, जो इसे केवल एक आर्थिक मंच से ऊपर उठाकर एक मानवीय और न्यायसंगत संगठन बनाती है। हालांकि, इस सफलता के बीच चुनौतियां कम नहीं हैं। ब्रिक्स के भीतर आंतरिक अंतर्विरोध हमेशा से इसकी सबसे बड़ी कमजोरी रहे हैं। भारत और चीन के बीच का सीमा विवाद, नई दिल्ली और बीजिंग के रणनीतिक संबंधों में पूरी तरह से बर्फ पिघलने की राह में अब भी एक बड़ी रुकावट है। इसके अतिरिक्त, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों का साया और ईरान की भागीदारी के कारण इस समूह पर पश्चिमी देशों की पैनी और संदेहास्पद नजर बनी हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद, भारत ने अपनी कूटनीतिक चतुरता से इन अंतर्विरोधों को अपने विकास एजेंडे पर हावी नहीं होने दिया। नई दिल्ली ने यह स्पष्ट कर दिया है कि द्विपक्षीय मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन बहुपक्षीय मंचों पर आर्थिक सहयोग और वैश्विक विकास की प्राथमिकताओं को रोका नहीं जा सकता। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक विजय के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत ने न केवल एक सफल और निर्बाध सम्मेलन की मेजबानी की है, बल्कि दुनिया को मंदी के दौर से बाहर निकलने का एक नया विजन भी दिया है। भारत की विशाल घरेलू मांग, युवा जनसांख्यिकी, राजनीतिक स्थिरता और निरंतर होते आर्थिक सुधारों ने इसे वैश्विक विकास का एक ऐसा इंजन बना दिया है जिसे कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत का डंका बजने का सीधा अर्थ यह है कि अब वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े फैसले नई दिल्ली की सहमति के बिना नहीं लिए जा सकते। भारत ने इस ब्रिक्स सम्मेलन के माध्यम से दुनिया को जो ग्रोथ का भरोसा दिया है, वह आने वाले दशकों में एक विकसित भारत और एक अधिक संतुलित, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का रास्ता साफ ! यूएस, यूके, फ्रांस, रुस के बाद चीन भी आ गया साथ

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की नई दिल्ली घोषणा में चीन और रूस ने स्पष्ट रूप से भारत और ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षा के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। चीन का यह रुख खास तौर पर महत्वपूर्ण है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी को अब वह बड़ा रणनीतिक समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है, जिस पर लंबे समय से पूरी दुनिया की नजर थी। नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुतारेस की मौजूदगी में चीन और रूस ने भारत को संयुक्त राष्ट्र, विशेषकर सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराकर भारत के दावे को नई ताकत दे दी है। इससे पहले ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका भी सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन हर बार यह मामला चीन की असहमति पर आकर अटक जाता था। अब पहली बार ऐसा संकेत मिल रहा है कि चीन का रुख भी बदल रहा है। रूस के साथ चीन का समर्थन मिलना केवल भारत की कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि सुरक्षा परिषद की दशकों पुरानी शक्ति-संरचना के सामने एक बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक संदेश भी है।

इस घटनाक्रम को तमाम अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक भारत के लिए बड़ी जीत बता रहे हैं। अमेरिकी अर्थशास्त्री और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेफ्री सैक्स ने तो यहां तक कहा है कि भारत के अलावा कोई दूसरा देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के छठे स्थायी सदस्य बनने का इतना मजबूत दावा नहीं रखता। सैक्स ने भारत की करीब डेढ़ अरब की आबादी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, वैश्विक प्रभाव और कूटनीतिक क्षमता को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताया। उनका कहना है कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, क्रय शक्ति के आधार पर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में लगातार अपनी प्रभावशाली भूमिका साबित कर रहा है।

हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की नई दिल्ली घोषणा में चीन और रूस ने स्पष्ट रूप से भारत और ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षा के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। चीन का यह रुख खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से भारत की स्थायी सदस्यता की मांग का खुलकर समर्थन करने से बचता रहा है। सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता रखने वाला चीन यदि भारत के दावे के समर्थन में खड़ा होता है, तो यह भारत के लिए बड़ी राहत की बात है।

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा परिषद में फिलहाल पांच स्थायी सदस्य हैं। चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। इनके पास वीटो पावर है, जिसके जरिये इनमें से कोई भी देश किसी महत्वपूर्ण प्रस्ताव को रोक सकता है। इसके अलावा दस अस्थायी सदस्य होते हैं, जिनका कार्यकाल दो वर्ष का होता है। इसके अलावा, विडंबना देखिए कि 1945 में जिस वैश्विक शक्ति-संतुलन को ध्यान में रखकर यह व्यवस्था बनाई गई थी, वही ढांचा आज भी लगभग उसी रूप में कायम है। जबकि दुनिया की आबादी, अर्थव्यवस्था, शक्ति-संतुलन और राजनीतिक वास्तविकताएं बदल गईं, लेकिन सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का ढांचा नहीं बदला।

यही वह बिंदु है जहां संयुक्त राष्ट्र सुधार की जरूरत सबसे ज्यादा दिखाई देती है। जिस संस्था का मूल उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा कायम करना है, वही संस्था जब दुनिया के बड़े हिस्से को निर्णय प्रक्रिया से पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दे पाती, तो उसकी वैधता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की विशाल आबादी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का ढांचा बेहद असंतुलित है। देखा जाये तो दुनिया के संकटों का असर जिन देशों और समाजों पर सबसे ज्यादा पड़ता है, निर्णय लेने की मेज पर उनकी आवाज उतनी ही कमजोर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी असमानता को रेखांकित करते हुए वैश्विक निर्णय व्यवस्था को विशेषाधिकारों की पिरामिड जैसी संरचना बताया है। उन्होंने कहा कि ऊपर बैठे शक्तिशाली देश निर्णय लेते हैं और नीचे मौजूद देशों को उन निर्णयों के परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने इस विशेषाधिकार की पिरामिड को साझेदारी के मंच में बदलने का आह्वान किया है। उनका यह संदेश केवल ब्रिक्स तक सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था के सामने एक सीधी चुनौती है।

सरकारीएजेंसियां खोजें

प्रधानमंत्री मोदी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुतारेस की मुलाकात में भी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और बहुपक्षीय संस्थाओं, विशेषकर सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने संघर्षों, समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता, सतत विकास, मानव-केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा और वैश्विक खाद्य सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की। यह अपने आप में संकेत है कि आज की वैश्विक समस्याएं इतनी व्यापक हो चुकी हैं कि उन्हें पुराने शक्ति-संतुलन और सीमित प्रतिनिधित्व वाली संस्थाओं के सहारे नहीं संभाला जा सकता।

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैंकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है।

(प्रह्लाद सबनानी)

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैंकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है।

जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी (जेसीआरए) ने भारत की सार्वभौम (सावरेन) क्रेडिट रेटिंग में सुधार करते हुए इसे बीबीबी प्लस से बढ़ाकर ए्ए- कर दिया है। भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी कई कारणों के चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूरे विश्व में समस्त बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है एवं भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, इस देश में नागरिकों को अपने विचार रखने की आजादी है अतः विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अभी हाल ही में अन्य देशों में निवासरत भारत के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दर्शाता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे है। हाल ही में, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूपीआई की मांग अब विश्व के अन्य देशों द्वारा भी की जा रही है। जनधन योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़

दिया गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। डिरेक्ट बेनिफिट ट्रान्स्फर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारत में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, सरकारी खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च पिछले 5 वर्षों में तीन गुना हो गए हैं। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सातवां, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आंठवां, भारत का वित्तीय घाटा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी की है।

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैंकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इससे उस देश में विदेशी निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा निम्न प्रकार की क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती है। एएए- यह प्राइम क्रेडिट रेटिंग मानी जाती है एवं यह देश निवेश की दृष्टि से इन्वेस्टमेंट ग्रेड का है। एए- क्रेडिट रेटिंग भी हाई ग्रेड की मानी जाती है।ए- क्रेडिट रेटिंग अपर मीडीयम ग्रेड की मानी जाती है। बीबीबी - क्रेडिट रेटिंग लोअर मीडीयम ग्रेड को दर्शाती है। बीबी - क्रेडिट रेटिंग नोन-इन्वेस्टमेंट ग्रेड एवं स्पेक्युलेटिव की श्रेणी में गिनी जाती है। बी- क्रेडिट रेटिंग हाइली स्पेक्युलटिव श्रेणी में आती है एवं सी- क्रेडिट रेटिंग अधिकतम रिस्क की श्रेणी में गिनी जाती है। भारत की क्रेडिट रेटिंग बीबीबी+ ग्रेड में मानी जा रही थी जो अब सुधरकर ए्- कर दिया गया है।

पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में पिछले कई वर्षों से बदलाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इस दौरान विशेष रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुए विकास दर को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो बीबीबी- के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा 18 वर्ष पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे बीबीबी के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडी ने जून 2020 के पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को बीएए 3 की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। उक्त एजेन्सीयां भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को उचित तरीके से नहीं दर्शाती हैं। जबकि, भारत के आर्थिक संकेतक बहुत मजबूत बने हुए हैं।

हाल ही में, विश्व के चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों ने भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट जारी की है। जिसमें भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की गई है। जेफ्रीज नामक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल फोन, स्टील, सीमेंट, सोलर पैनल एवं ट्रक के निर्माण के क्षेत्र में भारत आज दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2014 में स्पेस के क्षेत्र में भारत में केवल एक स्टार्टअप था आज भारत में इस क्षेत्र में 400 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। चिप निर्माण में 12 प्रोजेक्ट पर भारत में काम हो रहा है एवं 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हो रहा है।

नगर पंचायत चुनावों को प्रभावित करने के लिए भाजपा के इशारे पर अधिकारी कांग्रेस नेताओं पर बना रहे दबाव: विक्रम मंडावी

भाजपा नेताओं के जमीन कब्जे की शिकायतों पर चुप्पी, विचाराधीन मामले में नोटिस, यह निष्पक्ष प्रशासन नहीं, राजनीतिक दुरुपयोग

बीजापुर। भोपालपट्नम और भैरमगढ़ नगर पंचायतों में आगामी नगरीय निकाय चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी जिले के अधिकारियों के माध्यम से कांग्रेस नेताओं पर दबाव बनाने का काम कर रहे है। जमीनों से बेदखली के नाम पर नोटिस थमाकर प्रशासन को चुनावी हथियार बनाया जा रहा है। उक्त आरोप बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने मंगलवार को भोपालपटनम में आयोजित प्रेस वार्ता में लगाया है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि ये सब भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के इशारे पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को नोटिस देकर डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है, ताकि नगर पंचायत चुनाव का माहौल प्रभावित हो और इसका फायदा भाजपा ले सके। उन्होंने आगे कहा कि भोपालपट्नम में जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष नीलम गनपत, आदेश्वर पब्लिक स्कूल के संचालक उमेश गुज्जा, भाजपा नेता गिरिजा शंकर तामड़ी, भाजपा नेता लंकल रामचंद्रम और भाजपा मंडल अध्यक्ष नरसिंह रेड्डी के खिलाफ कई एकड़ भूमि आदिवासी और अनुसूचित क्षेत्रों में कब्जाने की शिकायत की गई है। लेकिन राजस्व विभाग और वन विभाग भाजपा नेताओं के मामले में चुप्पी साधे हुए हैं ऐसा क्यों ? उन शिकायतों पर अब तक क्या जांच हुई? क्या कोई कार्रवाई हुई? प्रशासन मौन क्यों है? ये ऐसे सवाल हैं जिनका कोई जवाब अब तक नहीं आया है। इसी बीच दूसरी तस्वीर यह है कि कांग्रेस के नेता बसंतराव ताटी जिन्हें विधिवत रूप से 50 साल पहले शासन प्रशासन ने पट्टा दिया था। वर्तमान में यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है इस बात को सब जानते हैं। फिर भी उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा जा रहा है। जो अपने आप में चिंतनीय है। एक ओर बड़े कब्जे की शिकायत पर चुप्पी, दूसरी ओर न्यायालय में लंबित मामले में अचानक सक्रियता यह संयोग नहीं, पक्षपात है। इससे साफ़ जाहिर होता है कि भाजपा और भाजपा के संरक्षण में भाजपा को चुनावी लाभ पहुँचाने के लिए बीजापुर ज़िले के अधिकारी काम कर रहे हैं। विक्रम मंडावी ने कहा कि सरकारें आती हैं, सरकारें जाती हैं। लेकिन प्रशासनिक अधिकारी को किसी दल विशेष के कार्यकर्ता रूप में कार्य नहीं करना चाहिए। उन्होंने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाना न केवल अन्याय है, बल्कि नगरीय निकाय चुनाव को प्रभावित करने की एक सोची समझी साजिश है। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे बीजापुर जिले की जनता भाजपा के कथनी और करनी को देख रही है कि विकास की बात करने वाले लोग दबाव की राजनीति कैसे चला रहे हैं। प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने प्रशासन से भोपालपट्नम में भूमि कब्जे की पुरानी शिकायत पर तत्काल निष्पक्ष और समयबद्ध जांच हो। न्यायालय में विचाराधीन मामलों में अनावश्यक नोटिस और दबाव की कार्यवाही तत्काल रोकी जाए। नगरीय निकाय चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराए जाएं। अधिकारियों को किसी भी राजनीतिक दल के इशारे पर काम करने से रोके जाने जैसे प्रमुख मांगे की है। विधायक ने कहा कि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी और प्रशासनिक दबाव के खिलाफ पाँचवी अनुसूचित क्षेत्र में बेतहाशा जमीन कब्जाने के खिलाफ उग्र आंदोलन करेगी। इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एसडीएम भोपालपटनम को एक ज्ञापन भी सौंपा है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मिच्छा मुतैया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अलवा मदनैया, अफ़ज़ल खान, चेताल समैया, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कामेश्वर गौतम, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मड्डे, महामंत्री के.जी. सत्यम, अरुण वासम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम राहत योजना से अब तक 70 सड़क हादसा पीड़ितों को मिला उपचार, कनेरा मार्ग सड़क हादसे की जांच शुरू

कोंडागांव। जिले में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती एवं सुनिश्चित इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सड़क दुर्घटना पीड़ितों के अस्पताल में भर्ती और सुनिश्चित इलाज की योजना पीएम राहत का क्रियान्वयन मार्च 2026 से किया जा रहा है। कोंडागांव जिले में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशानुसार हेमंत भगत, उप पुलिस अधीक्षक स्निग्धा सलामे, जिला परिवहन अधिकारी राजकुमार ध्रुव, डॉ आरके चतुर्वेदी के मार्गदर्शन एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक मुकेश जोशी व जिला रोल आउट मैनेजर त्रिदर्शी मड़ामें के नेतृत्व में योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले में पीएम राहत योजना के तहत अब तक 70 सड़क दुर्घटना पीड़ितों को उपचार का लाभ मिल चुका है। इन मरीजों के उपचार के लिए जिला स्तर पर अब तक लाखों रुपए की सहायता उपलब्ध कराई गई है। इसी क्रम में सिटी कोतवाली पुलिस ने कनेरा मार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल बाजारपारा निवासी प्रदीप यादव को च्ड़त्।भ्ज् योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही स्थानीय लोगों से हादसे के संबंध में जानकारी जुटाई। जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद घायल प्रदीप यादव को तत्काल जिला अस्पताल कोंडागांव पहुंचाया गया था। गंभीर चोटों के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए पहले जगदलपुर और बाद में रायपुर रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीएम राहत योजना के तहत सड़क हादसे में घायल प्रत्येक पात्र पीड़ित को डेढ़ लाख रुपए तक की कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर आवश्यक उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि आर्थिक कारणों से इलाज में किसी तरह की बाधा न आए।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप के साथ बीपीएस के पदाधिकारीगण की परचून परिवहन के विषय पर भेंट

जगदलपुर। केदार कश्यप परिवहन मंत्री छत्तीसगढ़ शासन से जगदलपुर स्थित सर्किट हाउस में बस्तर परिवहन संघ के अध्यक्ष प्रदीप पाठक व संघ के साथी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यजनों के साथ भेंट की। जिसमें मुख्य रूप से रायपुर से जगदलपुर परचून परिवहन में आ रहे अनावश्यक मतभेदों पर चर्चा किया गया व उक्त मामले पर परिवहन मंत्री को विस्तार पूर्वक स्पष्टता से सारे विषयो पर जानकारी दी गई। पाठक जी द्वारा माननीय मंत्री केदार कश्यप जी को अवगत कराया गया कि रायपुर स्थित परचून ट्रांसपोर्टरों (गैरेज संचालकों) द्वारा मनमाने ढंग से बीपीएस के छोटे वाहन मालिको का शोषण किया जा रहा है। वाहन की भार क्षमता से अधिक माल लोड करवाकर भेजा जाता है किंतु भाड़ा 15 से 16 टन का ही दिया जाता है, वाहन के लोडिंग से लेकर अनलोडिंग होने तक विभिन्न प्रकार के शुल्क वाहन चालकों के ऊपर थोपा जा रहा है, उसके उपरांत भाड़ा भुगतान में भी अनलोडिंग चार्जेस के नाम पर अनावश्यक शुल्क की कटौती की जा रही है। बाजार में ऐसा भ्रम फैलाया जा रहा है कि बीपीएस के द्वारा भाड़ा में वृद्धि किया गया है, जिसका बीपीएस अध्यक्ष ने खंडन किया गया व कहा गया कि बीपीएस द्वारा परिवहन भाड़ा में किसी प्रकार का कोई वृद्धि नही की गई है।बस्तर परिवहन संघ में 2000 से अधिक सदस्य हैं जो कि सम्पूर्ण बस्तर के अलग अलग क्षेत्रो से आते हैं, संघ अपने समस्त सदस्यों को समान अवसर देने हेतु प्रतिबद्ध है, किसी भी संस्था में या समाज मे 2000 में से किन्ही 4 से 5 सदस्यों के लिए नियम व कानून अलग नही हो सकते, सबके समानाधिकार हेतु क्यू सिस्टम (पंक्तिवद्ध) आवश्यक है, जिससे विवाद की आशंका भी कम होती है किन्तु परचून ट्रांसपोर्टर (गैरेज संचालक) अपनी स्वयं की गाड़ियों को बिना क्यू (पंक्तिवद्ध) के रायपुर पहुंचने पर तत्काल बिना इंतज़ार के अपने परचून गैरेज में लोडिंग करवाया जाता है व संघ के अन्य सभी सदस्य लाइन लगाकर अपनी बारी आने का 10 दिन इंतज़ार करते हैं लोडिंग, परिवहन व अनलोडिंग की प्रक्रिया पूर्ण करने पश्चात जब भार क्षमता से कम भाड़ा मिलता है संघ के एक आम सदस्य बड़ी मायूसी के साथ अपनी आपत्ति दर्ज करता है।

दंतेवाड़ा के योगासन खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लहराया परचम, तीन पदक किए अपने नाम

किरंदुल। कोरबा में आयोजित 7वीं राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन दंतेवाड़ा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा के खिलाड़ियों ने कुल तीन पदक अपने नाम किए। सीनियर-ब वर्ग में डाक्टर मांडी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि नीरज सिंह चौहान ने तृतीय स्थान पर रहकर कांस्य पदक जीता। वहीं सीनियर-क वर्ग में गोरखनाथ यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा सीनियर- ए वर्ग में गोस्वामी सोम पांचवें स्थान पर रहे। सब-जूनियर ट्रेडिशनल वर्ग में मनीष कुमार मुचाकी चौथे तथा पुष्पेंद्र नाग छठवें स्थान पर रहे। सीनियर आर्टिस्टिक सिंगल वर्ग में मनीष भास्कर ने चौथा और अर्जुन सिंह कश्यप ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बी.आर. साहू, महासचिव छबील कुमार साहू, कोषाध्यक्ष बी.एन. ऊईके, डायरेक्टर डाक्टर मांडी सहित एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों, बैलाडीला योग समिति, विद्यालय परिवार तथा शुभचिंतकों ने हार्दिक बधाई दी।

योगासन के प्रचार-प्रसार को मिलेगा बढ़ावा

एसोसिएशन अध्यक्ष बी.आर. साहू ने कहा कि दंतेवाड़ा जिले में योगासन खेल के प्रचार-प्रसार में जिला प्रशासन का विशेष सहयोग मिल रहा है, जिससे विद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को उचित मंच मिल रहा है। महासचिव छबील कुमार साहू ने बताया कि अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं को योगासन से जोड़ने तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। कोरबा में आयोजित इस प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा से छबील कुमार साहू, पूर्णिमा साहू, शशिकला मिश्रा ने निर्णायक के रूप में सेवाएं दीं, जो जिले के लिए गौरव की बात है।

शासकीय अरविंद महाविद्यालय किरंदुल में '25 वर्षों का सेवा संकल्प अभियान' पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

किरंदुल। शासकीय अरविंद महाविद्यालय, किरंदुल में '25 वर्षों के सेवा संकल्प अभियान' पर रंगोली प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. हिरकने द्वारा की गई। प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों में भारी उत्साह देखने को मिला, जहां छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सुंदर और मनमोहक रंगोलियां बनाईं। रंगोली प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से बबली कश्यप एवं अनिता कर्मा (एम.एस.सी.), द्वितीय स्थान मेघा मेश्राम (बी.कॉम.), तृतीय स्थान दिशा मेश्राम एवं नैना डे, तथा चतुर्थ स्थान तनुजा, मुस्कान और कंचन ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के नोडल अधिकारी एस. राजनुरेटी (सहायक प्राध्यापक) और मीडिया प्रभारी पी. जितेन्द्र (अतिथि क्रीड़ा अधिकारी), प्रतियोगिता निर्णायक के रूप में प्रियंका नाग (सहायक प्राध्यापक), निकिता यादव, सीमा डनसेना, डॉ. इंदिरा बारले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 25 वर्षों के इस सेवा संकल्प को समर्पित यह रंगोली प्रतियोगिता बेहद सफलता के साथ संपन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, प्राध्यापकगण और कर्मचारी उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते नजर आए।

किरंदुल बंगाली कैंप वार्ड क्रमांक 3 में गणपति बप्पा की धूम, जगह-जगह विराजे विघ्नहर्ता

किरंदुल। लौह अयस्क नगरी किरंदुल के वार्ड नंबर 3 बंगाली कैंप में गणपति बप्पा की धूम मची हुई है। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं विराजमान हैं और सुबह-शाम पूजा-अर्चना से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। शाम को आरती के समय बड़ी संख्या में छोटे-छोटे बच्चे अपने परिजनों के साथ गणपति बप्पा के दर्शन के लिए पहुंच जाते हैं। कई बच्चे तो भगवान के पास जाकर बैठ जाते हैं और घंटों वहीं रहते हैं। पंडाल में भक्तों का उत्साह, भजन-कीर्तन और आरती की धुन से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया है।

बाल गणेश से बच्चों का खास लगाव

गणपति बप्पा बच्चों के प्रिय देवता माने जाते हैं। उनका बाल स्वरूप, मुस्कुराता चेहरा और मोदक हाथ में लिए रूप बच्चों को बेहद आकर्षित करता है। यही वजह है कि पंडाल में पहुंचने वाले नन्हे भक्त सबसे ज्यादा उत्साहित नजर आते हैं। माता-पिता का कहना है कि इससे बच्चों में धार्मिक संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

दुर्गूकोंदल में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की बैठक रघुनंदन गोस्वामी बने कार्यवाहक अध्यक्ष

भानुप्रतापपुर। सामुदायिक भवन दुर्गूकोंदल में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज के संगठन को मजबूती देने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के साथ-साथ सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए रघुनंदन गोस्वामी को सर्व पिछड़ा वर्ग समाज का कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 3 अक्टूबर को कोंडागांव में पिछड़ा वर्ग के अधिकारों की रक्षा और 3 सूत्रीय मांगों को लेकर आयोजित होने वाली महारैली की तैयारियों पर चर्चा करना था। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस रैली को सफल बनाने के लिए गांव-गांव जाकर बैठकें ली जाएंगी और समाज के प्रत्येक घर से कम से कम एक सदस्य की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही समाज के लोगों को 3 सूत्रीय मांगों के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। बैठक के दौरान वर्तमान अध्यक्ष विजय पटेल की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष व्यक्त किया गया। समाज के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि संगठन के सुचारू संचालन के लिए कार्यवाहक अध्यक्ष की नियुक्ति आवश्यक है। रघुनंदन गोस्वामी को कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत करने का प्रस्ताव ब्लॉक सचिव मुन्ना सिन्हा ने रखा, जिसका समर्थन गन्नू सिन्हा ने किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई। अब 3 अक्टूबर को कोंडागांव में आयोजित होने वाली अधिकार रैली की पूरी तैयारी और समाज का नेतृत्व नवनियुक्त कार्यवाहक अध्यक्ष रघुनंदन गोस्वामी के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

शासकीय आदर्श आवासीय कन्या महाविद्यालय कोंडागांव की प्रतिभा का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन

कोंडागांव। शासकीय आदर्श आवासीय कन्या महाविद्यालय कोंडागांव की कबड्डी महिला टीम ने सेक्टर स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उच्च शिक्षा विभाग, सत्र 2026-27 के अंतर्गत आयोजित सेक्टर कबड्डी महिला प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की होनहार खिलाड़ी प्रतिभा का चयन राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उनके इस चयन पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अलका शुक्ला एवं समस्त क्रीड़ा विभाग ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी सुनील देव जोशी ने बताया कि छात्रा ने नियमित अभ्यास और कड़ी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य स्तर पर भी टीम इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करेगी।

महतारी वंदन योजना से सोनादई को मिला आर्थिक संबल, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा कदम

दैनिक जरूरतों और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मिल रही मदद

कोण्डागांव। शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पुरा करने के साथ भविष्य के लिए भी आर्थिक रूप से सक्षम बन रही हैं। ग्राम पलारी के नानीपदर निवासी सोनादई मण्डावी भी महतारी वंदन योजना की ऐसी ही हितग्राही हैं, जिन्हें योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि से आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। सोनादई बताती हैं कि नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि उनके लिए काफी उपयोगी है। वे इस राशि का उपयोग दैनिक जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ अपने दो छोटे बच्चों के पोषण आहार के लिए भी करती हैं और कुछ राशि भविष्य की आवश्यकताओं के लिए सुरक्षित रखती हैं।

सोनादई के लिए महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का एक मजबूत आधार बन रही है। नियमित आर्थिक सहयोग से उन्हें छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। योजना से प्राप्त राशि को अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार उपयोग करने का अवसर मिलने से उनमें आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता भी मजबूत हो रही है। सोनादई ने बताया कि शासन की इस पहल से उन्हें अपने परिवार की आवश्यकताओं में सहयोग करने और भविष्य के लिए बचत करने में सहायता मिल रही है। उन्होंने महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर छत्तीसगढ़ शासन महिला सशक्तिकरण, आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इस पहल से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव के साथ वे आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं।

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का ग्राम-ग्राम अभियान, ग्रामीणों में दिखा आक्रोश

किरंदुल। स्मार्ट मीटर योजना के विरोध में बड़े बचेली ब्लॉक कांग्रेस द्वारा क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम-ग्राम जाकर विरोध अभियान चलाया जा रहा है।कांग्रेस ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने से गरीब,मजदूर और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा और बिजली बिल कई गुना बढ़ेगा। कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं और हस्ताक्षर अभियान भी चला रहे हैं। मांग की गई है कि जबरन स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस शंकर कुंजाम,ब्लॉक अध्यक्ष बड़े बचेली ग्रामीण पालनार नंदाराम कुंजाम, जिला महामंत्री भीमसेन मंडावी उर्फ भीमा मंडावी, राजू भास्कर, अजय मरकाम, राजूराम कश्यमी, जनपद उपाध्यक्ष कटेकल्याण भीमसेन मंडावी, सरपंच समेली शंकर भास्कर सहित ग्राम समेलि के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आवास प्लस 2.0 अंतर्गत दावा आपत्ति आमंत्रित

कोंडागांव। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 के माध्यम से छूटे हुये पात्र परिवारों के सर्वे का कार्य किया गया है। सर्वे उपरान्त चेकर के सत्यापन पश्चात आवास सॉफ्ट पोर्टल से एआई जनरेटेड पात्रता सूची में दर्ज परिवारों का दिनांक 24/06/2026 को आयोजित ग्राम सभा से फैक्ट अपडेट ऊपरांत जनपद पंचायतों के माध्यम से आवास सॉफ्ट पोर्टल पर उक्त डाटा अपलोड किया गया है। तत्पश्चात् तैयार परिवारों एवं प्राथमिकता की सूची जिला स्तर पर गठित अपीलीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। संचालक, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण विकास भवन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार सूची में दर्ज परिवारों की जानकारी का स्थायी प्रतीक्षा सूची निर्धारण से पूर्व अंतिम अद्यतीकरण एवं प्राथमिकता क्रम में संशोधन करने से पूर्व दावा आपत्ति आमंत्रित किया जाना है। उक्त सूची का अवलोकन सम्बंधित प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं जनपद पंचायत कार्यालय में किया जा सकता है। उक्त सूची में जिन हितग्राहियों/ परिवारों को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना है, वे दिनांक 23/09/2026 से 01 /10/2026 तक कार्यालयीन समय शाम 5रू00 बजे तक संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के समक्ष दिये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय पश्चात् प्राप्त आपत्ति प्रस्तुत करने पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त दावा आपत्तियों का मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति द्वारा जांच एवं परीक्षण कर स्पष्ट अभिमत सहित सूची पुनः ग्रामसभा से अनुमोदन पश्चात जिला स्तर पर गठित अपीलीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चार वार्डों में उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए 30 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के तहत नगर पालिका निगम बिलासपुर अंतर्गत चार वार्डों में उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए संबंधित वार्ड में पंजीकृत महिला स्व-सहायता समूह एवं प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) द्वारा जारी उद्घोषणा के अनुसार वार्ड क्रमांक 17 नेहरू नगर, वार्ड क्रमांक 27 विनोबा नगर, वार्ड क्रमांक 39 शहीद भगत सिंह नगर तथा वार्ड क्रमांक 64 महामाया नगर के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन 30 सितंबर 2026 तक सीलबंद लिफाफे में जमा किए जा सकते हैं।आवेदन पत्र कार्यालय कलेक्टर, खाद्य शाखा, बिलासपुर में जमा किए जाएंगे। शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए महिला स्व-सहायता समूह अथवा प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार का उद्घोषणा की तिथि से कम से कम तीन माह पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य है। निजी व्यक्तियों के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। पंजीयन प्रमाण-पत्र में उल्लेखित कार्यक्षेत्र के अनुसार ही संबंधित वार्ड के लिए आवेदन स्वीकार होगा। अन्य वार्ड के लिए किया गया आवेदन पात्र नहीं होगा तथा अपूर्ण दस्तावेजों वाले आवेदन भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

खनिज शाखा में वाहन किराये पर लेने हेतु निविदा आमंत्रित

बिलासपुर। कार्यालय कलेक्टर की खनिज शाखा बिलासपुर द्वारा कार्यालयीन कार्यों में उपयोग के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत महिन्द्रा स्कॉर्पियो वाहन किराये पर लेने हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र 7 अक्टूबर 2026 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त किए जा सकते हैं। अंतिम तिथि 7 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे तक निविदा प्राप्त की जाएगी। भरे हुए निविदा प्रपत्र को निर्धारित समयावधि में कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा बॉक्स में डालना अनिवार्य होगा। निविदा 8 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3 बजे खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र एवं अन्य शर्तें कार्यालय से 500 रुपये के निविदा प्रपत्र शुल्क के डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं। डिमांड ड्राफ्ट कलेक्टर (खनिज शाखा), बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के नाम से राष्ट्रीयकृत बैंक की कलेक्टोरेट शाखा बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में हो, में देय हो जमा करके कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते है। निविदा के साथ 1 लाख रुपये की धरोहर राशि जमा करना अनिवार्य है। बिना धरोहर राशि के प्रस्तुत निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। निविदा की विस्तृत शर्तें कार्यालय के सूचना पटल तथा जिला बिलासपुर की वेबसाइट पर देखी जा सकती हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती आवेदन 8 अक्टूबर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी अंतर्गत प्रियदर्शनी नगर वार्ड 28 के आंगनबाड़ी केंद्र 54 पुराना टंकी के पास तारबहार में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर 8 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाईन आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक एवं पात्र आवेदिका ई-भर्ती ऑनलाईन लिंकमें जाकर अनिवार्य दस्तावेजों की फाइल अपलोड कर आवेदन कर सकती है।

अंशकालिक संगीत प्रशिक्षकों की पात्रता सूची जारी, दावा आपत्ति 25 तक

बिलासपुर। जिले के पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक संगीत प्रशिक्षकों की भर्ती के लिए प्राप्त आवेदनों के जांच उपरांत पात्रता सूची जारी कर दी गई है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 25 सितम्बर 2026 तक लिखित में उचित दस्तावेज के साथ जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा जिला पंचायत भवन, द्वितीय तल बिलासपुर में प्रस्तुत कर सकते है। पात्र-अपात्र आवेदकों की सूची का अवलोकन जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा एवं वेबसाईट में जाकर कर सकते है।

रेल्वे प्रशासन द्वारा मड़वारानी व उरगा स्टेशन में विकसित कार्य शुरू

कोरबा। रेल प्रशासन जिले के छोटे स्टेशनों को भविष्य की योजनाओं के अनुरूप विकसित करने में जुटा है। मड़वारानी और उरगा रेलवे स्टेशनों पर तेजी से काम चल रहा है। दोनों जगह प्लेटफार्म विस्तार के साथ अतिरिक्त रेल लाइनों के लिए भी काम किया जा रहा है। मड़वारानी स्टेशन का पुराना भवन और प्रतीक्षालय अब नजर नहीं आ रहा है। यहां दो मंजिला नया भवन बनकर तैयार हो चुका है और स्टेशन का कामकाज नए भवन से संचालित हो रहा है। पुराने भवन को तोडकर वहां अतिरिक्त ट्रैक बिछाया जाएगा। उरगा स्टेशन में भी विकास कार्य जारी है। प्लेटफार्म नंबर-1 और स्टेशन भवन को तोड़ दिया गया है। दोनों स्टेशनों के भवन पीछे किए गए हैं।

एसईसीएल का हॉस्पिटल मैनेजमेंट सिस्टम अब कोल इंडिया में भी होगा लागू

विजिलेंस विभाग के मार्गदर्शन में विकसित हॉस्पिटल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) को कोल इंडिया स्तर पर विस्तार देने की तैयारी

बिलासपुर। एसईसीएल में विकसित हॉस्पिटल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) को अब पूरे कोल इंडिया में भी लागू किया जाएगा। एसईसीएल द्वारा विकसित इस प्रणाली को आधार बनाकर कोल इंडिया के लिए एकीकृत अस्पताल प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाएगी जिससे कंपनी के 2.2 लाख से अधिक कर्मचारी लाभान्वित होंगे। इससे विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं को एक साझा डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में काम आगे बढ़ेगा। एसईसीएल में एचएमआईएस की शुरुआत 27 मई 2026 को केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने की थी। इसका उद्देश्य मरीजों के चिकित्सा अभिलेखों को डिजिटल रूप में सुरक्षित करने के साथ अस्पताल प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित बनाना है। पंजीयन से उपचार तक जानकारी एक जगह- एचएमआईएस में मरीज के पंजीयन, चिकित्सकीय परामर्श, उपचार और दवा संबंधी जानकारी को डिजिटल रूप से दर्ज करने की सुविधा है। इससे मरीज की चिकित्सा संबंधी जानकारी व्यवस्थित रूप से उपलब्ध रहती है और जरूरत पड़ने पर पिछले अभिलेखों को देखना आसान होता है। प्रणाली में चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों की ऑनलाइन प्रक्रिया तथा अमृत औषधि केंद्र और दवा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं को भी शामिल किया गया है। इससे कागजी प्रक्रिया कम करने, जानकारी के बेहतर अभिलेखीकरण और विभिन्न चरणों की निगरानी में मदद मिलेगी। विजिलेंस विभाग की रही महत्वपूर्ण भूमिका- इस पहल को विकसित करने और आगे बढ़ाने में एसईसीएल के विजिलेंस विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विभाग के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं में डिजिटल माध्यम से पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर निगरानी की दिशा में कार्य किया गया। एसईसीएल में विकसित इस व्यवस्था की उपयोगिता को देखते हुए अब इसे कोल इंडिया स्तर पर विस्तार देने की दिशा में कदम उठाया गया है। एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन ने कहा,- एचएमआईएस के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप से व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया है। इससे चिकित्सा अभिलेखों का बेहतर प्रबंधन, प्रक्रियाओं की निगरानी और जवाबदेही को मजबूत करने में सहायता मिलेगी। एसईसीएल में विकसित इस व्यवस्था का कोल इंडिया स्तर पर विस्तार इस पहल को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है कोल इंडिया स्तर पर एचएमआईएस के विस्तार से विभिन्न अस्पतालों में चिकित्सा अभिलेखों के डिजिटलीकरण, प्रक्रियाओं में एकरूपता, बेहतर निगरानी और अस्पताल प्रबंधन में डिजिटल समन्वय को बढ़ावा मिलेगा।

आयुष्मान कार्ड बना इलाज का सहारा आर्थिक संकट से बचा गरीब परिवार..

बिलासपुर। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जरूरत के समय स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत माध्यम बन रही है। बिलासपुर के सरकंडा निवासी श्री श्यामू खैरवार की पुत्री कुमारी श्रीजल खैरवार के लिए भी आयुष्मान कार्ड मुश्किल समय में उपचार का सहारा बना। अचानक आगजनी की घटना में घायल होने के बाद कुमारी श्रीजल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद उनकी स्थिति गंभीर पाए जाने पर तत्काल उपचार शुरू किया गया। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण महंगे इलाज को लेकर परिजन चिंतित थे। इसी दौरान परिवार ने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से योजना के तहत निःशुल्क उपचार का लाभ लिया। योजना के अंतर्गत उपचार की सुविधा मिलने से परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली। इलाज के लिए उन्हें कर्ज लेने अथवा अपनी आवश्यक संपत्ति बेचने की जरूरत नहीं पड़ी। उपचार के बाद श्रीजल स्वस्थ होकर अपने घर लौट आईं और अब सामान्य जीवन व्यतीत कर रही हैं। श्रीजल के परिवार ने आयुष्मान भारत योजना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन समय में योजना ने उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ आर्थिक संकट से भी राहत दिलाई। आयुष्मान कार्ड से मिला समय पर उपचार और आर्थिक सुरक्षा -कुमारी श्रीजल खैरवार की कहानी बताती है कि जरूरत के समय आयुष्मान कार्ड पात्र परिवारों के लिए उपचार का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। योजना के तहत निःशुल्क उपचार मिलने से परिवार पर महंगे इलाज का आर्थिक बोझ कम हुआ और श्रीजल को समय पर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकी।

जोबापारा में एक स्टॉपडेम से खुश हाल हुए दर्जनभर आदिवासी परिवार

कोरिया। कोरिया जिले के कदमनारा ग्राम पंचायत में एक पहाड़ी के नीचे जोबा पारा आश्रित ग्राम है। यंहा लगभग दो दर्जन आदिवासी परिवार निवासरत हैं। इसी पहाड़ी के नीचे बहने वाले नकटी नाले पर बने एक स्टॉपडेम से इन किसान परिवारो का जीवन बदल रहा है। उचित स्थल चयन के साथ बने एक स्टॉपडेम की मदद से जोबापारा के दर्जनभर किसान परिवार खुशहाली की राह पर बढ़ने लगे हैं। स्टॉपडेम से सिंचाई की सुविधा पाकर यंहा लगभग 30 एकड़ खेतों में धान की फसल लहलहा रही है। जोबापारा, कदमनारा ग्राम पंचायत में आश्रित ग्राम लगभग पहाड़ी पर बसा हुआ है। जिसके नीचे से नकटी नाले का बहाव है। यंहा की आबादी में आदिवासी परिवार बहुतायत में हैं। भूमि काफी ऊपर नीचे होने के कारण इन भौगोलिक परिस्थितियों में खेती करना बेहद चुनौती भरा है। नाले में पानी रहने के बाद भी यंहा रहने वाले किसान परिवार अपने खेतों में सिंचाई के लिए हमेशा परेशान रहते थे। लेकिन एक स्टॉपडेम ने सिंचाई की सभी मुसीबतें खत्म कर दी हैं। ग्राम पंचायत में उपस्थित होकर जोबा पारा के किसानों ने नकटी नाले पर एक स्टॉपडेम बनाए जाने की मांग रखी। ग्राम सभा के निर्णय अनुसार मनरेगा के अंतर्गत यंहा एक स्टॉपडेम बनाए जाने के लिए 19 लाख रुपए से अधिक स्वीकृत किए गए। ग्राम पंचायत की देखरेख में ही यह निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया। अब इससे दर्जन भर किसान सीधे लाभ ले रहे हैं। गांव में रहने वाले किसानों ने बताया कि जब स्टॉपडेम निर्माण कार्य पूर्ण हो गया तो हमने सौर सुजला योजना से पंप लगा लिए हैं। अब सौर ऊर्जा संयंत्र से आसानी से ऊपर तक हर खेत में भरपूर पानी पंहुचा रहे हैं। साथ ही स्टॉपडेम में बिजली का पंप भी आवश्यकता अनुसार लगा सकते हैं। ग्राम पंचायत के सरपंच श्री दयाल साय ने बताया कि तेज बहाव होने से पहले नाले में पानी रोकना कठिन था लेकिन स्टॉपडेम से सब कुछ आसान हो गया है। अब नाले से गांव में तीस एकड़ खेतों में सिंचाई हो रही है। धान की फसल के बाद सभी किसान अपने खेतों में सब्जी और गेहूं की फसल भी लगाएंगे। स्टॉपडेम बनाए जाने से ग्राम जोबापारा में रहने वाले आदिवासी किसान धर्मपाल की 2 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई हो रही है।

स्काउट-गाइड कोटा से रेलवे में चयन.....राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त निधि ने बढ़ाया बिलासपुर का मान

■ दक्षिण पूर्व रेलवे में मिली नियुक्ति, बचपन से स्काउट-गाइड से जुड़ी रहीं निधि ने कलेक्टर से की मुलाकात

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़, जिला संघ बिलासपुर की रेंजर लीडर सुश्री निधि कश्यप का स्काउट-गाइड कोटा से दक्षिण पूर्व रेलवे में चयन हुआ है। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित निधि कश्यप बचपन से ही स्काउट-गाइड गतिविधियों से जुड़ी रही हैं। अपनी इस उपलब्धि के बाद उन्होंने बुधवार को कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने निधि को रेलवे में चयन पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड गतिविधियां युवाओं में अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं। निधि का चयन उनकी मेहनत, समर्पण और लंबे समय से स्काउट-गाइड के प्रति सक्रिय सहभागिता का परिणाम है। बचपन से स्काउट-गाइड से जुड़ी निधि ने राष्ट्रपति पुरस्कार भी प्राप्त किया है। रेंजर लीडर के रूप में उन्होंने विभिन्न सामाजिक, सेवा एवं जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। स्काउट-गाइड से मिले अनुभव, प्रशिक्षण और उपलब्धियों ने उन्हें रेलवे में स्काउट-गाइड कोटा से चयन का अवसर दिलाया। निधि कश्यप ने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्काउट-गाइड से जुड़कर उन्हें सेवा, अनुशासन और नेतृत्व के साथ काम करने का अवसर मिला, जिसने उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर संयुक्त राज्य सचिव श्रीमती बीना यादव, सहायक राज्य आयुक्त स्काउट श्री विजय कुमार यादव, जिला मुख्य आयुक्त श्री राजेन्द्र साहू, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संदीप कुमार पांडे, जिला आयुक्त गाइड श्रीमती आरती राय, जिला सचिव सुश्री लता यादव, जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री महेन्द्र बाबू टंडन सहित जिला संघ के पदाधिकारियों ने निधि कश्यप को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

नुक्कड़ नाटक से जन-जन तक पहुंचा शासकीय योजनाओं का संदेश

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन तक शासकीय योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी पहुंचाई। विद्यार्थियों ने सार्वजनिक स्थलों एवं बस्तियों में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया। डीपी विप्र महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, एनएसएस प्रभारी मनोज सिन्हा शामिल हुए। शासकीय अग्रसेन महाविद्यालय बिल्हा के विद्यार्थियों ने शनिचरी बाजार, सब्जी मंडी चौक के पास दोपहर 12 बजे नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नयन तारा शर्मा महाविद्यालय पांधी के विद्यार्थियों ने नावाडीह चौक, सीपत में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। संदीपनी कॉलेज मस्तुरी के विद्यार्थियों ने भी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। वहीं पेंड्री स्थित बस्ती में मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर के एनएसएस स्वयंसेवकों ने चिंगराजपारा में 'नमो सेवा गाथा' के अंतर्गत शासकीय योजनाओं की थीम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नवीन शासकीय महाविद्यालय सकरी के एनएसएस स्वयंसेवकों ने डॉ. अब्दुल कलाम आजाद नगर, वार्ड क्रमांक 2 में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को शासकीय योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। इसी क्रम में सी.एम. दुबे स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से 150 छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली। सिद्धार्थ महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने नशा मुक्त समाज एवं मतदाता जागरूकता की शपथ ली। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को शासकीय योजनाओं की जानकारी लेने, उनका लाभ उठाने तथा सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इसी तरह जिले के अन्य कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी दी।

स्वच्छता की शपथ लेकर छठ घाट पर उतरे जनप्रतिनिधि अधिकारी और नागरिक, दिया जनभागीदारी का संदेश....

■ स्वच्छता के लिए जनभागीदारी जरूरी, मिलकर बदलें शहर की तस्वीर : विधायक श्री धर्मजीत सिंह

■ स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाएं, हर नागरिक निभाएं जिम्मेदारी: विधायक श्री सुशांत शुक्ला

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनसेवा, जनभागीदारी और सेवा भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में आज छठ घाट पर स्वच्छता एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने छठ घाट की साफ-सफाई की। इस दौरान महापौर ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में पौधारोपण कर स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने कहा कि स्वच्छ और साफ-सुथरे शहर में लोग आना पसंद करते हैं। बिलासपुर को स्वच्छता के क्षेत्र में और आगे ले जाने के लिए जनता की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा गंदगी फैलाने वालों को रोकने के लिए जागरूक करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नागरिक स्वयं जागरूक होकर स्वच्छता की जिम्मेदारी निभाएं और इसे जनआंदोलन का रूप दें। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे जीवन का संकल्प बनाना होगा। जिस तरह हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं, उसी भावना से मोहल्ले, गांव और सार्वजनिक स्थानों को भी साफ रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प का उद्देश्य केवल प्रशासन की गतिविधियों तक सीमित नहीं है। जनभागीदारी के माध्यम से इसे जनआंदोलन का रूप देना होगा। प्रत्येक नागरिक स्वयं गंदगी नहीं फैलाने और दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संकल्प ले। कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, श्री मोहित जायसवाल, पार्षद श्री श्याम साहू, एडिशनल कमिश्नर श्री खजांची कुमार, अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने छठ घाट की साफ-सफाई में सहभागिता निभाई तथा पौधारोपण कर स्वच्छ एवं हरित शहर के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त किया।

सनातन धर्म में प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा

सनातन धर्म में प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। यह व्रत हर माह के शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। सितंबर महीने का पहला प्रदोष व्रत 8 सितंबर को मनाया जा चुका है। अब दूसरा प्रदोष व्रत 24 सितंबर, गुरुवार को रखा जाएगा। गुरुवार के दिन पड़ने के कारण इसे गुरु प्रदोष व्रत कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि गुरु प्रदोष का व्रत करने से साधक को ज्ञान, सौभाग्य, संतान सुख और वैवाहिक जीवन में खुशहाली का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गुरु प्रदोष व्रत 2026: तिथि और शुभ मुहूर्त

प्रदोष व्रत तिथि : 24 सितंबर 2026, गुरुवार
त्रयोदशी तिथि प्रारंभ : 23 सितबर 2026 को रात 10 :50 बजे
त्रयोदशी तिथि समाप्त : 24 सितंबर 2026 को रात 11 :18 बजे
प्रदोष काल पूजा मुहूर्त : शाम 05 :43 बजे से रात 08 :06 बजे तक

गुरु प्रदोष व्रत की पूजा विधि

पूजा का मुहूर्त शुरू होने के बाद उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण की ओर मुख करके बैठें . शिवलिंग पर गंगाजल, कच्चे दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अभिषेक करें . अभिषेक के बाद भगवान शिव को चंदन, अक्षत, सफेद फूल, बेलपत्र, भांग और धतूरा अर्पित करें . धूप-बत्ती और अगरबत्ती जलाएं . इसके बाद भगवान को मिठाई और फलों का भोग लगाएं . फिर भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें . इसके बाद प्रदोष व्रत कथा और शिव चालीसा का पाठ करें . अंत में दीपक जलाकर भगवान शिव की आरती करें .

गुरु प्रदोष व्रत का धार्मिक महत्व

गुरुवार को पड़ने वाले प्रदोष व्रत को गुरु प्रदोष या बृहस्पति प्रदोष के नाम से जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं में इसे आध्यात्मिक विकास और ज्ञान की प्राप्ति से जोड़कर देखा जाता है। भगवान शिव की आराधना के साथ बृहस्पति देव का संबंध होने के कारण इस दिन व्रत और पूजा करने से ज्ञान, शिक्षा, धर्म, धन तथा सुख-समृद्धि की प्राप्ति होने की मान्यता है। कहा जाता है कि गुरु प्रदोष का व्रत जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नति के लिए भी शुभ माना जाता है।

मेहंदी का रंग गाढ़ा कैसे करें

मेहंदी सिर्फ हाथों की खूबसूरती बढ़ाने का एक पारंपरिक तरीका नहीं है, बल्कि त्योहारों और खास मौकों की खुशी का भी हिस्सा है। शादी, करवा चौथ, तीज, ईद या किसी अन्य खास अवसर पर महिलाएं हाथों और पैरों पर मेहंदी लगाना पसंद करती हैं। लेकिन कई बार मेहंदी लगाने के बाद उसका रंग उम्मीद के मुताबिक गहरा नहीं आता। ऐसे में कुछ आसान घरेलू तरीकों की मदद से मेहंदी के दाग को बेहतर तरीके से विकसित होने में मदद मिल सकती है। मेहंदी का रंग आमतौर पर लगाने के बाद तुरंत गहरा नहीं होता। दाग कुछ समय तक ऑक्सीडाइज होकर धीरे-धीरे गहरा होता जाता है। इसलिए मेहंदी लगाने के बाद सही देखभाल करना काफी महत्वपूर्ण है। मेहंदी सूखने के बाद उसे लंबे समय तक हाथों पर बनाए रखना, सूखने के बाद हल्के हाथों से हटाना और तुरंत पानी के संपर्क से बचना कुछ आसान उपाय हैं।

मेहंदी का रंग गहरा करने के आसान हैक्स

1. मेहंदी को पर्याप्त समय दें

मेहंदी लगाने के तुरंत बाद उसे हटाने की जल्दबाजी न करें। पेस्ट को अच्छी तरह सूखने और लंबे समय तक त्वचा पर रहने देने से रंग विकसित होने में मदद मिल सकती है।

2. मेहंदी सूखने के बाद पानी से बचें

मेहंदी हटाने के बाद कुछ घंटों तक हाथों को पानी में भिगोने से बचें। बार-बार साबुन और पानी के संपर्क में आने से शुरुआती दाग हल्का पड़ सकता है।

3. हाथों को लगाने से पहले साफ रखें

मेहंदी लगाने से पहले हाथों को धोकर अच्छी तरह सुखा लें। क्रीम, लोशन या ज्यादा तेल की परत लगाने से बचें।

4. मेहंदी को रगड़कर न हटाएं

सूखी मेहंदी को धीरे-धीरे खुरचकर या हाथों को आपस में रगड़कर हटाना बेहतर है। तुरंत पानी से धोने के बजाय सूखे तरीके से पेस्ट हटाने की कोशिश करें।

5. प्राकृतिक तेल का इस्तेमाल

मेहंदी हटाने के बाद थोड़ी मात्रा में नारियल या सरसों जैसे तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। संवेदनशील त्वचा वाले लोग पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

जीन्स के साथ परफेक्ट फुटवियर चुनें

जींस आज के समय में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला आउटफिट है, जो हर उम्र और हर मौके के लिए परफेक्ट माना जाता है। अलग-अलग तरह की जींस जैसे स्किनी, स्लिम फिट और बैगी जींस अपनी-अपनी स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। इन जींस के साथ सही फुटवियर पहनना बहुत जरूरी होता है, क्योंकि यही आपके पूरे लुक को पूरा करता है। सही जूते न सिर्फ आपके आउटफिट को स्टाइलिश बनाते हैं, बल्कि आपको आराम भी देते हैं। चाहे कैजुअल आउटिंग हो या कोई खास मौका, जींस के साथ सही फुटवियर आपकी पर्सनैलिटी को और बेहतर तरीकों से हाईलाइट करता है।

स्किनी जींस

स्किनी जींस में बॉडी फिट लुक आता है, इसलिए इसके साथ ऐसे फुटवियर अच्छे लगते हैं जो स्लीक और स्टाइलिश हों।
स्नीकर्स – रोज पहनने के लिए सबसे बढ़िया और आरामदायक ऑप्शन रहता है। लोफर्स – थोड़ा स्मार्ट और अच्छा लुक देते हैं।
चेल्सी बूट्स – क्लासी और स्टाइलिश लुक के लिए परफेक्ट होता है।

स्लिम फिट / स्ट्रेट जींस

ये जींस सबसे ज्यादा वर्सेटाइल होती हैं, मतलब आप इन्हें लगभग हर जगह पहन सकते है – कैजुअल से लेकर सेमी-फॉर्मल तक।
स्नीकर्स – डेली वियर के लिए बेस्ट ऑप्शन है।
लोफर्स – स्मार्ट कैजुअल लुक के लिए अच्छा ऑप्शन है।
कैजुअल / डर्बी शूज – थोड़ा फॉर्मल या सेमी-फॉर्मल लुक के लिए सही है।

बैगी / लूज जींस

बैगी जींस आजकल ट्रेंड में हैं और ये स्ट्रीट स्टाइल लुक देती हैं, जो थोड़ा कूल और रिलैक्स्ड फील देती है।
चंकी स्नीकर्स – ट्रेंडी और फैशनेबल लुक के लिए परफेक्ट रहता है।
हैवी बूट्स – बोल्ड और स्टाइलिश वाइब के लिए बेस्ट होता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि के जातकों के लिए आपका कोई जरूरी काम पूरा हो सकता है और आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलने के संकेत हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ और विस्तार के नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल रहेगा। किसी पुराने आर्थिक मामले का निपटारा हो सकता है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए 24 सितंबर 2026 को रुके हुए कामों को पूरा करने का मौका मिलेगा। निर्माण कार्य से जुड़े मामलों मे प्रगति हो सकती है। धनलाभ के नए अवसर सामने आएंगे। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए नया व्यवसाय शुरू करने की योजना बन सकती है। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह उपयोगी साबित होगी।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों के लिए गुरुवार 24 सितंबर 2026 को आजीविका से जुड़े मामलों में सुधार होने के संकेत हैं। लंबे समय से अटकी हुई रकम वापस मिल सकती है, जिससे आर्थिक राहत महसूस होगी। वस्त्र, आभूषण या किसी कीमती वस्तु की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। कामकाज मे आपकी सक्रियता बनी रहेगी।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों को 24 सितबर 2026 को नए लोगों से संपर्क बनेगा, जो भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित हो सकता है। कोई शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। गृह, भूमि या वाहन से जुड़े सुख मिलने के योग हैं। समाज में आपका सम्मान बढ़ सकता है और स्वाभिमान की रक्षा होगी।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों को गुरुवार 24 सितबर 2026 को सामाजिक और व्यक्तिगत विकास के लिहाज से दिन अच्छा रह सकता है। शत्रुओं या विरोधियों पर विजय मिलने के संकेत हैं। आपकी मानसिक शक्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन सूझ-बूझ से उसे संभाल लेंगे।

कन्या राशि - तुला राशि के जातकों को गुरुवार 24 सितंबर 2026 को अधिक परिश्रम और संघर्ष करना पड़ सकता है, लेकिन इसका परिणाम भी सकारात्मक रह सकता है। आर्थिक परेशानियां धीरे-धीरे दूर होने के संकेत हैं। स्वास्थ्य मे सुधार महसूस हो सकता है। नया वाहन खरीदने का संयोग बन सकता है।

तुला राशि- तुला राशि के लिए मंगलवार सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। नौकरी मे सहकर्मियों का सहयोग मिलने से कार्य समय पर पूरे होंगे। व्यापार में पार्टनरशिप या किसी सहयोगी के साथ मिलकर काम करने से फायदा हो सकता है। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिलेगा। घर में कोई अच्छी खबर मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों को नई व्यापारिक योजना सफल होने के संकेत है और आर्थिक लाभ मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए पदोन्नति की संभावना बन रही है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रदर्शन की सराहना हो सकती है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और किसी आध्यात्मिक गतिविधि मे शामिल होने का अवसर मिल सकता है।

धनु राशि- धनु राशि वालों की निराशा दूर होगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्या, बुद्धि और प्रतिभा के विकास के लिए दिन अनुकूल रह सकता है। बिगड़े हुए काम दोबारा बन सकते हैं। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो भविष्य मे आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों की 24 सितंबर 2026 के थोड़े प्रयास से ही आपका कोई अभीष्ट कार्य पूरा हो सकता है। वाहन और यात्रा से जुड़े सुख मिलने के संकेत हैं। धनलाभ के नए अवसर सामने आ सकते हैं। संतान की उन्नति से आपका उत्साह बढ़ेगा और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। नौकरी या व्यापार मे कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों को गुरुवार 24 सितंबर 2026 की दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित रह सकती है और खर्च भी अपेक्षा से अधिक होने की संभावना है। किसी नई समस्या के सामने आने से परेशानी हो सकती है, लेकिन अपनी सूझ-बूझ और धैर्य से उसका समाधान निकाल लेंगे। आर्थिक मामलों में बजट बनाकर चलना जरूरी होगा।

मीन राशि- मीन राशि के जातकों की आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। मानसिक चिंता भी बढ़ सकती है। गलत संगति या विवादित लोगों से दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा, क्योंकि इससे तनाव और कलह की स्थिति बन सकती है। काम के दबाव के बीच आराम के लिए समय निकाले।

बारिश के मौसम में अपनाएं सुरक्षित खान-पान का तरीका

बरसात का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ा देता है। इस मौसम में नमी और गंदगी के कारण बैक्टीरिया व वायरस तेजी से फैलते हैं, जिससे पेट से जुड़ी परेशानियां, संक्रमण और मौसमी बीमारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में विशेषज्ञ खान-पान और पीने के पानी को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। इस मौसम में साफ पानी पीना, ताजा भोजन करना और बाहर के अस्वच्छ खाद्य पदार्थों से दूरी बनाना रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखने में मदद कर सकता है। सबसे अहम बात कि थोड़ी सतर्कता अपनाकर आप बरसात के मौसम का पूरी तरह आनंद ले सकते हैं।

उबला या फिल्टर का पानी पीएं

बरसात के मौसम में पानी के जल्दी दूषित होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में गंदे पानी के सेवन से पेट दर्द, दस्त, उल्टी और कई तरह के संक्रमण हो सकते हैं। इसलिए इस मौसम में केवल उबला हुआ या अच्छी तरह फिल्टर किया हुआ पानी ही पीएं। साथ ही, घर से बाहर जाते समय भी पानी की अपनी बोतल साथ रखना बेहतर विकल्प है। पानी को खुले में रखने से बचें और पीने के बर्तन को साफ रखें। पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और बीमारियों से बचाव में मदद मिलती है।

जंक फूड और कटे हुए फल न खाएं

बारिश में सड़क किनारे मिलने वाले खाद्य पदार्थ जल्दी दूषित हो जाते है। वहीं साफ-सफाई की कमी के कारण, इसमें बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक खुले में रखे कटे हुए फल और खाद्य सामग्री मे बैक्टीरिया आसानी से पनप सकते हैं। इसलिए बरसात के दिनों में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। वहीं फल हमेशा ताजे खरीदें और उन्हें अच्छी तरह धोकर ही खाएं। आपकी यह आदत इस मौसम में आपको सुरक्षित और स्वस्थ रख सकती है।

खाने में ताजी सब्जियां और गर्म सूप

इस मौसम में शरीर को पोषण देने के लिए आप ताजी सब्जियों को भी अपने भोजन का हिस्सा बनाएं। हरी सब्जियां विटामिन और खनिजों से भरपूर होती हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती हैं, जिसकी इस मौसम सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसके अलावा गर्म सूप भी इस मौसम में फायदेमंद होते हैं। सब्जियों से बने सूप शरीर को गर्माहट देने के साथ-साथ जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं। एक जरूरी बात यह कि भोजन को अच्छी तरह पकाकर ही खाना खाएं, ताकि किसी भी तरह के संक्रमण का खतरा कम हो सके।

घर पर आलू कुलचा बनाने की रेसिपी

सुबह का ठंडा-ठंडा मौसम और शांत वातावरण में गर्म-गर्म नाश्ता पूरा दिन बना सकता है। ऐसे में अक्सर कुछ चटपटा और स्वादिष्ट खाने का मन करता है। इसके लिए कुलचा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह रोजाना के नाश्ते पोहा, चीला, पराठा, कचौरी और समोसा से अलग है। यह ज्यादातर बाजारों में मिलता है, जिसे बड़े ही चाव से खाया जाता है। हालांकि इसे घर पर भी आसानी से बना सकते हैं। जिसके लिए आपको तंदूर की जरूरत नहीं होगी। इसे तवे पर बना सकते हैं, इससे स्वाद में कोई अंतर नहीं आएगा। अगर आप नाश्ते के लिए इस तरह की डिश तलाश रहे हैं, तो यहां दी गई रेसिपी ट्राई कर सकते हैं।आलू कुलचा देखने में लगभग पराठे की तरह ही होता है, लेकिन इसमें आटे की जगह मैदे का इस्तेमाल किया जाता है और इसमें दही एवं बेकिंग सोडा मिलाया जाता है। जिससे यह फूल कर नरम हो जाता है। इसका स्वाद पराठे से अलग होता है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को यह पसंद आता है।

जरूरी सामग्री: मैदा- 250-300 ग्राम,आलू- 200 ग्राम,दही- तीन-चार चम्मच,बेकिंग सोडा- आधा चम्मच,अजवाइन- एक चम्मच,नमक- स्वादानुसार,हरी मिर्च- दो-तीन,अदरक- एक इंच,अमचूर पाउडर- आधा छोटा चम्मच,धनिया पाउडर- एक चम्मच,गरम मसाला पाउडर- एक चम्मच।

बनाने का तरीका

सबसे पहले एक थाली में मैदा को अच्छी तरह छान लें। अब उसमें दही, बेकिंग सोडा, हल्का सा नमक और तेल डालें। इन सभी को हाथ से अच्छी तरह मिलाने के बाद इसे गुनगुने पानी के साथ नरम होने तक गूंथ लें। इसके बाद गुंथे आटे पर हाथ से चारों ओर तेल लगाएं और कपड़े या बर्तन से ढक कर दो-तीन घंटे के लिए छोड़ दें। इस बीच आलू को उबाल ले और ठंडा होने पर उसके छिलके निकाल कर हाथ से अच्छी तरह मसलें। फिर इसमें नमक, कटी हुई हरी मिर्च, अदरक, धनिया पाउडर, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला पाउडर और हरा धनिया डालें। इन सभी को हाथ से मिला दें। अब गूंथे हुए मैदे की मध्यम आकार की लोइयां बनाएं। फिर एक लोई को बेलन की मदद से चपाती की तरह गोलाकार चपटा बनाएं और उस पर उबले आलू का मिश्रण बिखेर कर उसे हाथ से दबा दें। इसके बाद चपाती को चारों ओर से उठाकर बंद कर दें और उसका गोला बनाकर उसे पहले हाथ से फिर बेलन की मदद से चपटा करें। अब इसे गरम तवे पर सेकें और दोनों तरफ देसी घी का लेप लगाएं। इसी तरह दूसरे कुलचे भी तैयार करें। इन्हें चाय या अपनी मनपसंद चटनी के साथ परोसें।

ल्यूकेमिया से पीड़ितों का इलाज संभव

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई में एक 5 वर्षीय बच्चे को नया जीवन मिला है। रांची के इस बच्चे को ल्यूकेमिया दोबारा होने के बाद पैलिएटिव केयर (जीने की उम्मीद खत्म होने पर दी जाने वाली देखभाल) पर रखा गया था, लेकिन कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई में इलाज के बाद वह पूरी तरह कैंसर-मुक्त हो गया है। ल्यूकेमिया से पीड़ितों का इलाज संभव है। कंसल्टेंट हेमेटो-ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. कुणाल गोयल के नेतृत्व में इम्यूनोथेरेपी और हैप्लोआइडेंटिकल बोन मैरो ट्रांसप्लांट को मिलाकर एक विशेष इलाज किया गया।

बच्चे में इस बीमारी का पहली बार तब पता चला जब वह पांच साल का था। उसके माता-पिता ने देखा कि उसके पैरों पर नीले निशान पड़ रहे थे और गर्दन में सूजन आ गई थी। खून की जांच कराने पर पता चला कि उसे 'फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम-पॉजिटिव बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया' है। यह ब्लड कैंसर का एक बेहद गंभीर और खतरनाक रूप है, जिसमें 'IKZF1 म्यूटेशन' और 'मोनोसोमी 7' नाम के दो आनुवंशिक बदलाव देखे जाते हैं। इन दोनों बदलावों के कारण मरीज के ठीक होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई आने से पहले, अन्य अस्पतालों मे बच्चे का लंबा इलाज चला था। इसमें कीमोथेरेपी के कई दौर, टारगेटेड दवाएं और कैंसर को दिमाग में फैलने से रोकने के लिए ब्रेन रेडिएशन शामिल थी। महीनों चले इस इलाज के बाद भी कैंसर के कुछ अंश शरीर में रह गए, जिसके कारण मेंटेनेंस कीमोथेरेपी शुरू करने से पहले उसे और भी इंटेंसिव इलाज दिया गया। लगभग छह महीने तक चले मेंटेनेंस इलाज के बाद, अचानक उसके खून के सेल्स तेजी से गिर गए। बोन मैरो टेस्ट से यह पक्का हो गया कि कैंसर दोबारा लौट आया है। इसके बाद उसे पैलिएटिव केयर पर रख दिया गया था—यानी ऐसा इलाज जिसमे

बीमारी को पूरी तरह ठीक करने की उम्मीद न होने पर मरीज का दर्द कम करने पर ध्यान दिया जाता है। इलाज के अन्य विकल्पों की तलाश करते हुए, वे अपने बच्चे को कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई के हेमेटो-ऑन्कोलॉजिस्ट, बीएमटी विशेषज्ञ डॉ. कुणाल गोयल के पास ले आए। डॉ. गोयल की देखरेख में, बच्चे को एक विशेष टारगेटेड इम्यूनोथेरेपी दी गई। इस इलाज से कैंसर का स्तर घटकर लगभग ना के बराबर हो गया। इसके बाद बच्चा हैप्लोआइडेंटिकल बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए पूरी तरह तैयार हो गया, जिसमें परिवार के ही एक सदस्य के आधे मैच होने वाले बोन मैरो (हाफ-मैच डोनर) का इस्तेमाल किया गया।

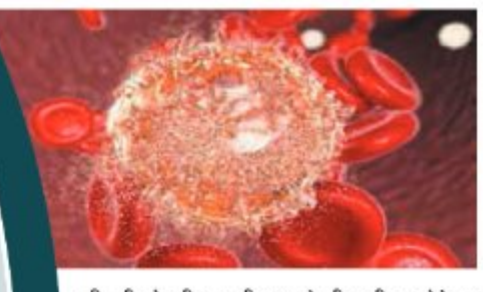

पेंशन बंद किए जाने पर सेवानिवृत्त शिक्षकों में आक्रोश, आदेश वापस लेने की मांग

भिलाई। छत्तीसगढ़ के शत-प्रतिशत अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों की पेंशन बंद किए जाने को लेकर अनुदानित शिक्षक संघ ने नाराजगी जताई है। कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई के अनुदानित शिक्षक संघ ने आरोप लगाया है कि उच्च शिक्षा विभाग ने मंत्रिपरिषद के निर्णय की गलत व्याख्या करते हुए सैकड़ों सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पहले से मिल रही पेंशन से भी वंचित कर दिया है।

सेवानिवृत्त प्राध्यापक संघ के प्रो. डीएन शर्मा और डॉ. आरपी अग्रवाल तथा अनुदानित शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा और सचिव डॉ. अनुराग पांडेय ने कहा कि मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा गया प्रस्ताव शत-प्रतिशत अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों के पेंशनरों को उनके सेवानिवृत्ति वाले वेतनमान के अनुरूप पेंशन एवं उपदान देने से संबंधित था। संघ के मुताबिक मंत्रिपरिषद ने इस प्रस्ताव को नियमों में प्रावधान नहीं होने और लोकहित में न होने के आधार पर अमान्य किया था।

संघ का कहना है कि मंत्रिपरिषद के निर्णय में पहले से स्वीकृत और वर्षों से दी जा रही पेंशन को बंद करने का कोई निर्देश नहीं दिया गया था। इसके बावजूद उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 1 सितंबर 2026 और 11 सितंबर 2026 को जारी आदेशों के माध्यम से सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों की वर्तमान पेंशन रोक दी गई। संघ ने यह भी दावा किया कि कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों की पेंशन तथा ग्रेच्युटी की पात्रता भी समाप्त कर दी गई है।

करीब 37 वर्षों से मिल रही है पेंशन- संघ के अनुसार अनुदानित अशासकीय महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को राज्य शासन की ओर से करीब 37 वर्षों से पेंशन और ग्रेच्युटी का लाभ मिलता रहा है। संघ ने बताया कि 26 अक्टूबर 2010 के शासनादेश के अनुसार पांचवें वेतनमान के आधार पर पेंशन और चौथे वेतनमान के आधार पर ग्रेच्युटी दी जाती रही है।

संघ का कहना है कि शिक्षकों की मांग केवल इतनी है कि जिस वेतनमान में कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए हैं, उसी के अनुरूप उनकी पेंशन निर्धारित की जाए। संघ ने सरकार से इस मामले पर न्यायपूर्ण और सहानुभूतिपूर्ण तरीके से विचार करने की अपील की है।

जुलाई-अगस्त की पेंशन लंबित होने का दावा- शिक्षक संघ ने कहा कि पेंशन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। वृद्धावस्था में चिकित्सा, दवाइयों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए कई सेवानिवृत्त कर्मचारी इसी राशि पर निर्भर हैं। संघ के अनुसार जुलाई और अगस्त 2026 की पेंशन का भुगतान लंबित है, जबकि सितंबर से पेंशन बंद होने की स्थिति ने प्रभावित कर्मचारियों के सामने आर्थिक परेशानी खड़ी कर दी है।

आदेश वापस लेने और पेंशन बहाल करने की मांग- अनुदानित शिक्षक एवं कर्मचारी संघ ने राज्य शासन से 1 सितंबर और 11 सितंबर 2026 के आदेशों को वापस लेने तथा सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों की पूर्ववत पेंशन तत्काल बहाल करने की मांग की है। इसके साथ ही जुलाई और अगस्त सहित सभी लंबित पेंशन का भुगतान करने तथा कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों की पेंशन और ग्रेच्युटी की पात्रता पूर्ववत सुरक्षित रखने की मांग की गई है।

संघ ने मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री और मुख्य सचिव से मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यदि पेंशन जल्द बहाल नहीं की गई, तो प्रभावित शिक्षक और कर्मचारी लोकतांत्रिक आंदोलन के साथ उपलब्ध वैधानिक उपायों का सहारा लेने के लिए मजबूर होंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संवेदनशील पहल बेसहारा बुजुर्ग को मिला वृद्धाश्रम में सहारा

बेमेतरा। मानवीय संवेदनशीलता और न्याय सुलभता का अनुकरणीय उदाहरण पेश करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा ने एक निराश्रित वरिष्ठ नागरिक को त्वरित विधिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित आश्रय दिलाया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार एवं माननीय सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के मार्गदर्शन में तथा सचिव स्वर्णलता ओम यादव के दिशानिर्देश पर चलाए जा रहे करुणा अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार थाना में पदस्थ अधिकार मित्र पवन कुमार साहू को एक वरिष्ठ व्यक्ति मिले, जिन्होंने बातचीत में बताया कि उनके ही परिवार के सदस्यों ने उन्हें घर से बाहर निकाल दिया है। उनके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं था। अधिकार मित्र ने तत्काल इसकी सूचना सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को दी। सूचना मिलते ही प्राधिकरण ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बुजुर्ग के भोजन व संरक्षण की व्यवस्था करते हुए अधिकार मित्र के माध्यम से उन्हें सुरक्षित रूप से वृद्धाश्रम कंतेली, बेमेतरा पहुंचाया। बाद में सचिव श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव स्वयं वृद्धाश्रम पहुंची और बुजुर्ग से उनके स्वास्थ्य एवं घर वापसी की इच्छा के संबंध में मुलाकात की। वरिष्ठ व्यक्ति ने अपना शेष जीवन वृद्धाश्रम में ही व्यतीत करने की इच्छा जताई, साथ ही अपने पुत्र-पुत्रियों से भरण-पोषण की मांग रखी। जिस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उन्हें उचित विधिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह पहल दर्शाती है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण केवल कानूनी सहायता तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंद, असहाय एवं वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुरक्षा के लिए भी तत्पर है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर जलाए गए दीप आज भी अटल परिसर में, स्वच्छता व्यवस्था पर उठे सवाल

सेवा संकल्प में स्वच्छता का संदेश भूला पालिका प्रशासन, अटल परिसर में अब भी पड़े जन्मदिन के दीप

अमलेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के शुभ अवसर पर 17 अक्टूबर तक मनाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर द्वारा अटल परिसर में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु की कामना की गई थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा संगठन के कार्यकर्ताओं सहित नगर पालिका परिषद के जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए थे। इस दौरान सभी ने दीप प्रज्वलित कर एक-दूसरे को बधाई दी और सेल्फी भी ली। लेकिन कार्यक्रम के कई दिन बाद भी अटल परिसर में जलाए गए दीपक और उनका अवशेष वहीं पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। इससे नगर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नगर पालिका परिषद के हृदय स्थल में स्थित अटल परिसर में पड़े ये दीपक अब जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। नगरवासियों का कहना है कि घरों में तीज-त्योहार अथवा किसी विशेष अवसर पर दीप प्रज्वलित करने के बाद अगले दिन परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है। ऐसे में नगर पालिका द्वारा आयोजित सेवा संकल्प कार्यक्रम के बाद भी दीपक और उसका अवशेष नहीं हटाया जाना चिंता का विषय है। नगरवासियों ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सेवा और स्वच्छता का संदेश देना भी है। ऐसे में सार्वजनिक स्थल पर कार्यक्रम के बाद साफ -सफाई सुनिश्चित करना नगर पालिका की जिम्मेदारी है। अटल परिसर में अब भी पड़े दीपकों को लेकर जिम्मेदारों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। अब देखना होगा कि नगर पालिका प्रशासन इस ओर कब ध्यान देता है और अटल परिसर की साफ-सफाई कब कराई जाती है।

अमलेश्वर के हृदय स्थल में स्थित तालाब पर जलकुंभी का कब्जा, सफाई के अभाव में नगरवासी परेशान

त्योहारों से पहले तालाब की सफाई और विसर्जन व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग

सेवा संकल्प अभियान पर नगरवासियों की उम्मीद

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के वार्ड क्रमांक 02 में अटल परिसर के सामने हृदय स्थल में स्थित स्थित सार्वजनिक तालाब इन दिनों बदहाली का शिकार है। पूरा तालाब जलकुंभी से पट गया है, लेकिन जिम्मेदारों का ध्यान अब तक इस ओर नहीं गया है। तालाब की साफ -सफाई नहीं होने से नगरवासियों में नाराजगी देखी जा रही है।

बताया जा रहा है कि उक्त तालाब का उपयोग नगर में होने वाले सुख-दुख के विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान किया जाता है। वहीं आनंद चतुर्दशी के बाद गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला भी शुरू होने वाला है। इसके अलावा दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन भी इसी तालाब में किया जाता है। ऐसे में त्योहारों से पहले तालाब की साफ -सफाई और आवश्यक व्यवस्था किया जाना जरूरी है, लेकिन अभी तक पालिका प्रशासन की ओर से कोई ठोस तैयारी नजर नहीं आ रही है। तालाब में मछली पालन भी किया जाता है। ऐसे में पूरे तालाब में जलकुंभी फैल जाने से मछली पालन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। जलकुंभी के कारण तालाब की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है और निस्तारी सहित अन्य उपयोगों में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड पार्षद घनश्याम साहू ने बताया कि सुशासन तिहार के समय से ही पालिका प्रशासन को तालाब की साफ -सफाई एवं निस्तारी व्यवस्था को लेकर लिखित आवेदन दिया जा चुका है। उन्होंने स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए तालाब की सफाई कराने की मांग की थी, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। वार्ड क्रमांक 02 के हृदय स्थल में स्थित तालाब की सफाई नहीं होना दुर्भाग्यजनक है।

नगरवासियों ने पालिका प्रशासन से मांग की है कि गणेश एवं दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन सहित आम नागरिकों की आवश्यकताओं को देखते हुए तालाब की तत्काल साफ-सफाई कराई जाए तथा जलकुंभी को हटाकर तालाब को उपयोग के योग्य बनाया जाए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत् नगर भवन भाटापारा में दिव्यांगजन सहायक उपकरण मूल्यांकन शिविर का आयोजन

बलौदाबाजार। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर भवन भाटापारा में निःशुल्क दिव्यांगजन सहायक उपकरण मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने 27 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग, कैलिपर्स, स्प्लिंट ऑन द स्पॉट चिन्हांकित किए दिव्यांगजनों को आवश्यक उपकरण वितरित किये। शिविर मे सहायक उपकरणों हेतु मोट्राइज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, व्हील चेयर आदि के लिए प्रदाय किये जाने हेतु चिन्हांकन एवं मुल्याकंन भी किया गया। जिसमें कुल 100 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया, जिनमें से 65 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदाय किये जाने हेतु पंजीयन किया गया। सभी दिव्यांगजनों के लिए आय प्रमाण पत्र ,जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, चिकित्सा सुविधा एवं अन्य सुविधा एक ही जगह एक ही शिविर में एक साथ प्रदान की गई।

सहायक उपकरण की आस में आए पिता को मिली बेटे के बेहतर भविष्य की राह

बलौदाबाज़ार-भाटापारा। अपने 10 वर्षीय बहुदिव्यांग बेटे के लिए सहायक उपकरण की उम्मीद लेकर शिविर में पहुंचे ग्राम कुकदा निवासी शेष नारायण धृतलहरे को यहां अपने बेटे के बेहतर भविष्य की नई राह मिली। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित दिव्यांगजन शिविर में समाज कल्याण विभाग की उप संचालक सिनीवाली गोयल ने शेष नारायण की विस्तार से काउंसलिंग की और उन्हें बेटे के विशेष शिक्षण-प्रशिक्षण एवं उपचार के लिए उपलब्ध शासकीय सुविधाओं की जानकारी दी। शेष नारायण अपने बेटे कौशिक धृतलहरे को लेकर शिविर पहुंचे थे। कौशिक बहुदिव्यांग बालक है। शेष नारायण की चिंता केवल सहायक उपकरण तक सीमित नहीं थी, वे अपने बेटे के बेहतर शिक्षण-प्रशिक्षण और भविष्य को लेकर भी चिंतित थे। काउंसलिंग के दौरान उन्हें बताया गया कि रायपुर के माना कैंप स्थित समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बहुदिव्यांग केंद्र में दिव्यांग बच्चों की देखभाल के साथ विशेष शिक्षण-प्रशिक्षण एवं उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। शेष नारायण ने बताया कि उनके तीन बच्चे सामान्य हैं और एक बेटा दिव्यांग है। बेटे की विशेष देखभाल के कारण उन्हें काफी समय उसकी जरूरतों में देना पड़ता था, जिससे वे अपने अन्य बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते थे। अब उन्हें उम्मीद है कि माना कैंप रायपुर में बेटे को आवश्यक उपचार, विशेष शिक्षा और प्रशिक्षण की सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि वे अपने बेटे को वहां जरूर लेकर जाएंगे, ताकि उसका जीवन बेहतर हो सके और वह आगे बढ़ सके। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित दिव्यांगजन शिविरों में हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने के साथ उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार काउंसलिंग भी की जा रही है। शिविरों के माध्यम से दिव्यांगजनों और उनके परिजनों की अधिकारियों तक सीधी पहुंच बन रही है। इससे उन्हें केवल योजनाओं की जानकारी ही नहीं मिल रही, बल्कि उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपलब्ध उपचार, शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास संबंधी सुविधाओं की जानकारी भी मिल रही है।

राधा अष्टमी पर श्री लाडली जी महिला मंडल रिसाली ने मनाया विशेष तीज उत्सव एवं भजन संध्या

रिसाली। श्री लाडली जी महिला मंडल, रिसाली की ओर से पावन राधा अष्टमी के अवसर पर महिलाओं के लिए विशेष तीज उत्सव एवं भव्य भजन संध्या का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मानसी गुलाटी उपस्थित रहीं। साथ ही विनीता पांडेय, सुनंदा चंद्राकर (पार्षद), श्रद्धा साहू (समाजसेवी), सीमा साहू (पार्षद) तथा उपासना साहू (समाजसेवी एवं पूर्व पार्षद, सेक्टर-10) सहित अनेक गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ राधा रानी जी के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात आयोजित भजन संध्या में राधा रानी जी एवं श्रीकृष्ण के अनेक मधुर एवं भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी गई। भक्तिमय भजनों से पूरा वातावरण राधामय हो गया और उपस्थित महिलाओं ने भक्ति एवं आनंद के साथ भजन संध्या का आनंद लिया।

राधा अष्टमी के इस पावन अवसर को विशेष बनाने के लिए महिलाओं हेतु तीज उत्सव के साथ विभिन्न मनोरंजक खेल एवं गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। महिलाओं ने इन खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उत्साह एवं उमंग के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। इस दौरान महिलाओं के बीच आपसी मेल-जोल, सौहार्द एवं आत्मीयता का सुंदर वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर अतिथियों ने राधा अष्टमी एवं तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने के साथ-साथ एक-दूसरे के साथ मिलकर उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करते हैं।

महिला मंडल की समिति का योगदान- कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री लाडली जी महिला मंडल, रिसाली की समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति में–

अध्यक्षः सिद्धि, उपाध्यक्षः अम्बे उपाध्याय, सचिवः डॉ. निर्मला शुक्ला, सह-सचिवः बासंती पांडे, कोषाध्यक्षः मंजू साहू कार्यकारिणी सदस्यः शेफाली, शतरूपा, वाणी मखीजा, आशा पांडे, मनुज पांडे, भारती तिवारी एवं निशा सिंह।

समिति के सभी सदस्यों ने आपसी समन्वय एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया, जिसके फलस्वरूप यह आयोजन सफल एवं यादगार बना।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, समिति के सदस्यों एवं उपस्थित महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा राधा रानी जी से सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना की गई।

÷राधे-राधे÷ के जयघोष के साथ कार्यक्रम का भव्य एवं भक्तिमय समापन हुआ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com